आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 322 | उज्जैन, रविवार 12 अक्टूबर 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रुपया

मध्यप्रदेश में टूरिज्म को मिलेगी नई उड़ान-मुख्यमंत्री

मध्यप्रदेश को फिल्म शूटिंग और वेडिंग डेस्टीनेशन बनाने पर भी फोकस

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मध्यप्रदेश में पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जाने और निवेश को आकर्षित करने के उद्देश्य से शनिवार को मध्यप्रदेश ट्रैवल मार्ट के अवसर पर पर्यटन क्षेत्र के निवेशकों, प्रमुख फिल्म निर्माताओं और प्रसिद्ध अभिनेताओं के साथ कुशाभाऊ ठाकरे सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस वन-टू-वन चर्चा का मुख्य उद्देश्य प्रदेश में पर्यटन के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और मध्यप्रदेश को एक प्रमुख फिल्म-शूटिंग गंतव्य के रूप में बढ़ावा देना है। इस उच्च-स्तरीय बैठक के दौरान मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्योग के विभिन्न दिग्गजों के साथ प्रदेश में निवेश की संभावनाओं पर विस्तार से विचार-विमर्श किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से फिल्म जगत से प्रसिद्ध फिल्म निर्माता सुश्री एकता कपूर, जाने-माने अभिनेता श्री गजराज राव और श्री रघुवीर

यादव ने भेंट की। स्पेनिश फिल्म कमीशन से सुश्री लारा मोलिना एवं फिल्म निर्माता श्रीमती अन्ना सौरा ने भी चर्चा में भाग लिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने सभी निवेशकों और उद्योग जगत के प्रतिनिधियों को मध्यप्रदेश में हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया और कहा कि सरकार राज्य को पर्यटन और फिल्म निर्माण के लिए देश का सबसे आकर्षक केंद्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध है।

केंद्रीय पर्यटन और संस्कृति मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत, मध्य प्रदेश के संस्कृति, पर्यटन और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेंद्र भाव सिंह लोधी और पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण एवं विमुक्त घुमन्तु और अर्द्धघुमन्तु कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर भी उपस्थित थीं। होटल और हॉस्पिटैलिटी उद्योग के कई बड़े नामों ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और निवेश की संभावनाओं पर चर्चा की। इनमें इंडियन होटल्स कंपनी लिमिटेड (द्बाष्टरु) के ईवीपी श्री परवीन चंदर कुमार, जेट सर्व एविएशन के श्री राम ओला, एटमॉस्फियर कोर के प्रबंध निदेशक श्री सौभाग्य मोहापात्रा, पोस्ट कार्ड होटल्स के सह-संस्थापक श्री अनिरुद्ध कांडपाल, ट्रेज़र ग्रुप के प्रबंध निदेशक श्री विनायक कलानी, एमआरवीएच रिज़ॉर्ट्स प्रा. लि. के निदेशक श्री जीतेंद्र सिंह, द मालवा क्लब एंड रिज़ॉर्ट के संस्थापक श्री सुमरध्वज ब्रह्मभट्ट, सेरेनडिपिटी लेक्स एंड रिज़ॉर्ट्स प्रा. लि. के प्रबंध निदेशक डॉ. सुश्रुत सुधीर बाबुलकर, और ऑर्बिट रिज़ॉर्ट्स के श्री संदीप खन्ना और श्री मनोज सिंह शामिल थे।

क्या अमेरिका भी भेजा गया कोल्ड्रिफ कफ सीरप? FDA ने दिया जवाब

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य प्रदेश और राजस्थान में जहरीले कफ सीरप से बच्चों की मौत हो गई। इस घटना के बाद बुधवार को विश्व स्वास्थ्य संगठन ने भारत से स्पष्टीकरण मांगा कि क्या ये दवाइयां अन्य देशों को भी निर्यात की गई थीं। जिसके बाद अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने यह स्पष्ट कर दिया कि भारत में बच्चों की मौत से जुड़े विषाक्त कफ सीरप को अमेरिका नहीं भेजा गया है।

दरअसल, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने कहा है कि भारत में स्थानीय स्तर पर बिकने वाली कफ सीरप दवाओं की जांच में नियामकीय खामियां हैं। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गेनाइजेशन की ओर से भारत से स्पष्टीकरण मांगा गया कि क्या देश में बच्चों की मौत से जुड़ा कफ सीरप नियमित प्रक्रिया के तहत दूसरे देशों को निर्यात किया गया था?

अमेरिका में नहीं भेजे गए विषाक्त कफ सीरप- अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन ने शुक्रवार को पुष्टि की कि भारत में बच्चों की मौत से जुड़े जहरीले कफ सीरप अमेरिका नहीं भेजे गए हैं। अमेरिकी स्नष्ठ ने कहा कि उसे भारत में बच्चों की खांसी और जुकाम की दवाओं में डायथिलीन ग्लाइकॉल और एथिलीन ग्लाइकॉल के कारण विषाक्त होने के खबरों की जानकारी है।

RSS के 100 साल पूरे होने पर सरकार ने जारी किए विशेष सिक्के, घर बैठे कर सकते हैं ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत सरकार ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में विशेष स्मारक सिक्के और डाक टिकट जारी किए हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को कहा कि ये सिक्के और टिकट RSS की एक सदी की सेवा, एकता और समर्पण को समर्पित हैं।

वित्त मंत्रालय के कार्यालय ने एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना के 100 वर्ष पूरे होने के अवसर पर भारत सरकार ने विशेष स्मारक सिक्के और डाक टिकट जारी किए हैं जो सेवा, एकता और समर्पण की एक सदी को सम्मान देते हैं।

कहां से मंगा सकते हैं सिक्के- सरकार ने बताया कि विशेष स्मारक सिक्के ऑनलाइन मंगवाए जा सकते हैं। ये सिक्के कोलकाता मिंट की व ` ब स ा इ ट https://indiagovtmint.in/hi/product-category/kolkata-mint पर उपलब्ध हैं। वहीं, स्मारक डाक टिकट देशभर के फिलेटली ब्यूरो में खरीदे जा सकते हैं।

तीन दिनों के दौरे पर गुजरात पहुंचीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने किए द्वारकाधीश के दर्शन, बेटी के साथ पूजा में हुईं शामिल

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने आज द्वारका का भ्रमण किया। राष्ट्रपति ने द्वारका में भगवान द्वारकाधीश के चरणों में शीश नवाया और इस दिव्य दर्शन से धन्य महसूस किया। राष्ट्रपति ने शास्त्रीय विधि-विधान से भक्तिपूर्वक भगवान के चरणों की पूजा करके अपनी संतुष्टि भी व्यक्त की।

इस धार्मिक यात्रा के दौरान, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भगवान श्री द्वारकाधीश के समक्ष भारतवासियों की सुख, शांति और समृद्धि के लिए भावभीनी प्रार्थना की। राष्ट्रपति के साथ उनकी पुत्री मुर्मू और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी इन पवित्र क्षणों में शामिल हुए।

राष्ट्रपति मुर्मू का हुआ गर्मजोशी से स्वागत- राष्ट्रपति के द्वारकाधीश मंदिर पहुंचने पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया। उनका स्वागत करने वाले गणमान्य व्यक्तियों में पर्यटन मंत्री मुलुभाई बेरा, जिला कलेक्टर राजेश तन्ना, रेंज आईजी अशोक कुमार यादव, पुलिस अधीक्षक जयराज सिंह वाला, प्रांतीय अधिकारी अमोल अवाते और प्रशासक एवं उप कलेक्टर हिमांशु चौहान शामिल थे।

उपहार भी भेंट किए गए- इन सभी गणमान्य व्यक्तियों ने राष्ट्रपति का स्वागत किया और उन्हें विभिन्न उपहार भेंट किए। इन उपहारों में एक पगड़ी, द्वारका मंदिर की एक प्रतिकृति और पुष्प शामिल थे। इसके साथ ही, राष्ट्रपति को तुलसी से बनी अनुग्रहम अगरबत्ती, स्वर्ण-जड़ित द्वारकाधीश की मूर्ति और प्रसाद भेंट किया गया।

टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों के बीच अंदरूनी कलह, शापूरजी मिस्त्री ने फिर दोहराई टाटा संस की लिस्टिंग की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा समूह की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को नियंत्रित करने वाले टाटा ट्रस्ट के ट्रस्टियों के बीच चल रहे अंदरूनी कलह की खबरें सामने आ रही हैं। इसी बीच एसपी ग्रुप के चेयरमैन शापूरजी पलोनजी मिस्त्री ने शुक्रवार को एक बार फिर पारदर्शिता लाने के लिए टाटा संस की सार्वजनिक लिस्टिंग की मांग दोहराई है।

मिस्त्री ने कहा कि आरबीआइ ने टाटा संस को 30 सितंबर, 2025 तक ऊपरी स्तर के वर्गीकरण में सूचीबद्ध करने की समयसीमा तय की थी। उन्होंने इस निर्देश को गंभीरता और नियामकीय प्रतिबद्धताओं के सम्मान के साथ देखे जाने की जरूरत बताई।

मिस्त्री ने क्या कहा- मिस्त्री ने कहा कि शापूरजी पलोनजी समूह ने लगातार टाटा संस की सार्वजनिक लिस्टिंग की वकालत की है। उन्होंने कहा, हमारा दृढ़ विश्वास है कि इस प्रमुख संस्थान की लिस्टिंग से न केवल इसके संस्थापक श्री जमशेदजी टाटा द्वारा परिकल्पित पारदर्शिता की भावना कायम रहेगी, बल्कि सभी हितधारकों (कर्मचारियों, निवेशकों और भारत के लोगों) के बीच विश्वास भी मजबूत होगा।

उन्होंने आगे कहा- भारत के सबसे पुराने व्यावसायिक घरानों में से एक के रूप में, हमें आरबीआइ पर पूरा भरोसा है कि वह समानता, न्याय और जनहित के सिद्धांतों पर आधारित निर्णय लेगा। मिस्त्री ने विश्वास व्यक्त किया है कि आरबीआइ कानून के शासन और निष्पक्षता की भावना के अनुरूप काम करेगा।

हवा में था विमान तभी विंडशील्ड में आई दरार, सभी 76 यात्रियों के साथ सुरक्षित लैंडिंग

नई दिल्ली (एजेंसी)। कई यात्रियों को लेकर उड़ान भरने वाले एक एयरक्राफ्ट की विंडशील्ड अचानक से टूट गई। पायलट ने लैंडिंग से पहले इसपर गौर किया और एक बड़ा हादसा होते-होते रह गया। हादसे के दौरान विमान में 76 यात्री सवार थे। विमान ने शनिवार को मदुरई एयरपोर्ट से उड़ान भरी थी। लैंडिंग से ठीक पहले पायलट की नजर सामने लगे शीशे पर गई, जो चिटका हुआ था। पायलट ने फौरन इसकी सूचना एयर ट्रैफिक कंट्रोलर को दी।

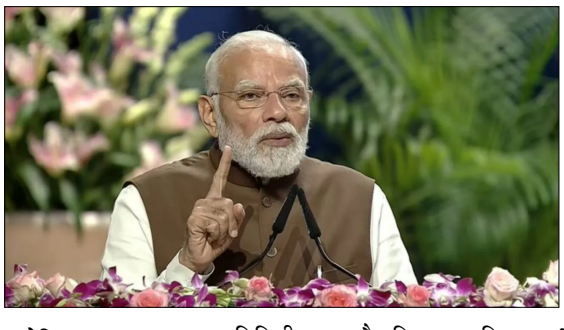

पहले की सरकारों ने किसानों को अपने हाल पर छोड़ा, कृषि योजनाओं की शुरुआत कर बोले पीएम मोदी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। पीएम मोदी ने दिल्ली के पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से 42000 करोड़ रुपये की योजनाओं का शुभारंभ किया। पीएम मोदी ने किसानों को बड़ी सौगात देते हुए 24000 करोड़ रुपये वाली पीएम धन धान्य कृषि योजना और 11,440 करोड़ के दलहन उत्पादकता मिशन का शुभारंभ किया है। दिल्ली में आयोजित इस कार्यक्रम में केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान भी शामिल हुए।

प्रधानमंत्री मोदी द्वारा आज पीएम धन-धान्य कृषि योजना का शुभारंभ किया गया है। इस योजना में सरकार के 36 योजनाओं को एक साथ जोड़ जा रहा है। इस योजना के लिए तीन पैरामीटर पर 100 जिलों का चयन किया गया है।

योजना का मुख्य उद्देश्य- पीएम धन धान्य कृषि योजना के मुख्य उद्देश्य कृषि उत्पादकता को बढ़ाना, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को प्रोत्साहित करना है। इस योजना का लाभ कम उपज वाली जगहों को मिलेगा। जहां यह योजना शुरू की जाएगी।

किसानों का भाग्य बदलने का काम करेंगी दोनों योजनाएं- दिल्ली के पूसा स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान से किसानों के लिए एक साथ दो योजनाओं को लॉन्च करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि ये दो योजनाएं भारत के किसानों का भाग्य बदलने का काम करेंगी। पीएम मोदी ने कहा कि इन योजनाओं पर सरकार करीब 35 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा खर्च करने वाली है।

खेती किसानी को मिलता रहे सरकार का सहयोग- किसानों के महत्व पर प्रकाश डालते हुए पीएम मोदी ने कहा, खेती और किसानी हमेशा से हमारी विकास यात्रा की हिस्सा रही है। बहुत जरूरी होता है कि बदलते समय के साथ खेती-किसानी को सरकार का सहयोग मिलता रहे। लेकिन दुर्भाग्य से पहले की सरकारों ने खेती-किसानी को अपने हाल पर छोड़ दिया था। इसलिए भारत की कृषि व्यवस्था लगातार कमजोर होती जा रही थी। 21वीं सदी के भारत को तेज विकास के लिए अपनी कृषि व्यवस्था में भी सुधार करना आवश्यक था और इसकी शुरुआत 2014 के बाद से हुई। पीएम मोदी ने आगे कहा, ÷बीज से लेकर बाजार तक अनगिनत सुधार किए गए। जिसके परिणामस्वरूप आज दूध उत्पादन में भारत नंबर एक पर है।

विवादों में घिरीं मारिया कोरिना मचाडो, क्यों हो रही नोबेल पुरस्कार वापस लेने की मांग?

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेनेजुएला की मारिया कोरिना माचाडो को नोबल शांति पुरस्कार 2025 से सम्मानित किया गया है। हालांकि, नोबल पीस प्राइज के एलान के बाद से ही मारिया का नाम विवादों में घिर गया है। मारिया इजरायल के द्वारा गाजा पर बमबारी की बड़ी समर्थक मानी जाती हैं। साथ ही मारिया अपने खुद के देश में सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए विदेशी ताकतों की मदद लेने से भी नहीं कतराती हैं।

वेनेजुएला की विपक्षी पार्टी का जाना-माना चेहरा मानी जाने वाली मारिया प्रो-डेमोक्रेसी मूवमेंट में भी अहम रोल निभा चुकी हैं। बीते दिन नोबल समिति ने शांति पुरस्कार के लिए मारिया के नाम की घोषणा की थी। नोबल समिति के अनुसार, लोकतंत्र को बढ़ावा देने और वेनेजुएला में तानाशाही के खिलाफ डटकर खड़े रहने के लिए मारिया को यह पुरस्कार दिया जाएगा।

मारिया को क्यों मिला नोबल पुरस्कार- मारिया को नोबल मिलने के बाद व्हाइट हाउस ने इस फैसले की आलोचना करते हुए राजनीति को शांति से ऊपर रखने का आरोप लगाया। हालांकि, बाद में मारिया ने इस नोबल को डोनल्ड ट्रंप को समर्पित कर दिया, जिसके बाद ट्रंप ने कहा कि वो मारिया के लिए बहुत खुश हैं।

नोबल समिति ने मारिया के नाम का एलान करते हुए कहा- पिछले कुछ सालों में मारिया को छिपकर रहना पड़ा। उनकी जान को खतरा था, फिर भी वो देश छोड़कर नहीं गईं। वेनेजुएला में रहना उनका फैसला था, जिससे कई लोगों को प्रेरणा मिली। जब तानाशाही ने सत्ता पर कब्जा कर लेते हैं, तो स्वतंत्रता के लिए लड़ने और सत्ता का विरोध करने वाले लोगों को पहचानना जरूरी होता है।

मारिया की हो रही आलोचना- हालांकि, नोबल समिति के इस फैसले की कई लोग आलोचना कर रहे हैं। इसके पीछे कई बड़ी वजहें मौजूद हैं। दरअसल मारिया इजरायल की कट्टर समर्थक हैं। मारिया कई बार गाजा पर इजरायली हमले को सही ठहराती रही हैं। इसके कई उदाहरण उनकी पुरानी सोशल मीडिया पोस्ट में देखे जा सकते हैं।

2 साल पहले अपनी एक पोस्ट में मारिया ने लिखा था कि ÷वेनेजुएला का संघर्ष भी इजरायल की तरह है।÷ मारिया ने यहां तक कहा था कि अगर वो सत्ता में आईं तो इजरायल की आजादी में पूरी मदद करेंगी।

अमेरिका बेस्ड मुस्लिम अधिकारों के लिए बने संगठन काउंसिल ऑन अमेरिकन-इस्लामिक रिलेशन ने नोबल समित को अपने फैसले पर फिर से विचार करने का सुझाव दिया है। संगठन का कहना है, नोबल समिति को एक बार फिर से सोचना चाहिए। मारिया को यह पुरस्कार देने से नोबल की छवि को गहरा झटका लग सकता है।

कनाडा का नया इमिग्रेशन बिल C-12 लागू, अवैध प्रवास और तस्करी पर लगेगी रोक; भारतीयों पर क्या पड़ेगा असर

नई दिल्ली (एजेंसी)। कनाडा सरकार ने बिल ष्ट-12 का नया संस्करण पेश किया है, जिसका नाम है 'Strengthening Canada's Immigration System Act'। इस कानून का उद्देश्य है सीमा नियंत्रण को कड़ा करना, गैरकानूनी गतिविधियों पर रोक लगाना और इमिग्रेशन सिस्टम को पारदर्शी बनाना।

सरकार का कहना है कि इससे अवैध फेंटानिल की तस्करी, मनी लॉन्ड्रिंग और सीमा पार अपराधों पर रोक लगेगी। हालांकि, कनाडा में पहले से रह रहे भारतीय स्थायी निवासियों पर इसका असर नहीं पड़ेगा, लेकिन आश्रय मांगने वालों के लिए हालात सख्त होने वाले हैं।

क्या-क्या है नए कानून में- नए बिल के तहत, अगर कोई व्यक्ति 14 जून 2020 के बाद कनाडा पहुंचा है और एक साल से अधिक समय बाद आश्रय का दावा करता है, तो उसका आवेदन इमिग्रेशन एंड रिफ्यूजी बोर्ड ऑफ कनाडा को नहीं भेजा जाएगा। यह नियम सभी पर लागू होगा, चाहे वह छात्र हो, स्थायी वीजा धारक या कोई अन्य व्यक्ति भले ही वह कनाडा छोड़कर वापस आया हो।

इसके अलावा, जो लोग अमेरिका की सीमा से गैरकानूनी तरीके से कनाडा में प्रवेश करते हैं और 14 दिन बाद आश्रय की मांग करते हैं, उनका आवेदन भी नहीं माना जाएगा। यदि कोई व्यक्ति अवैध रूप से या बिना दस्तावेजों के प्रवेश करता है, तो उसके लिए शरण लेना और मुश्किल होगा।

कौन नहीं होंगे पात्र- जो लोग पहले किसी दूसरे सुरक्षित देश में शरण या इमिग्रेशन कर चुके हैं, वे अब कनाडा में आवेदन करने के पात्र नहीं होंगे।

डोनल्ड ट्रंप को क्यों नहीं मिला शांति पुरस्कार? नोबेल प्राइज समिति ने बताई वजह

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने नोबेल शांति पुरस्कार जीतने की तमाम कोशिशों के बावजूद वेनेजुएला की लोकतंत्र समर्थक कार्यकर्ता मारिया कोरिना माचाडो को प्राइज मिला। ट्रंप ने भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर को लेकर फर्जी दावा और रूस-यूक्रेन युद्ध को रोकने की नाकाम कोशिश की।

घोषणा के बाद पत्रकारों से बात करते हुए समिति के अध्यक्ष जोर्गेन वाटने फ्राइडनेस ने बताया कि क्यों संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति को नजरअंदाज किया गया और संभवतः वे कभी भी पुरस्कार की दौड़ में शामिल नहीं थे।

उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि इस समिति ने (हर) प्रकार के अभियान (और) मीडिया का ध्यान देखा है। हमें हर साल हजारों-हजार पत्र मिलते हैं जिनमें लोग बताते हैं कि उनके लिए शांति का मार्ग क्या है। लेकिन यह समिति एक ऐसे कमरे में बैठती है जहां सभी पुरस्कार विजेताओं के चित्र लगे हैं और वह कमरा साहस और निष्ठा से भरा है। इसलिए, हम अपना निर्णय केवल अल्फ्रेड नोबेल के कार्य और इच्छाशक्ति के आधार पर लेते हैं।

नोबेल समिति ने माचाडो को एक महत्वपूर्ण, एकीकृत व्यक्ति बताया है। पिछले वर्ष यह पुरस्कार जापान के निहोन हिडांक्यो को दिया गया था, जो 1945 में हिरोशिमा और नागासाकी पर अमेरिकी बमबारी में बचे लोगों का 69 वर्ष पुराना जमीनी स्तर का आंदोलन है, जो परमाणु हथियारों के उन्मूलन के लिए अभियान चला रहा है।

यह सिर्फ एक भाषा नहीं बल्कि..., हिंदी दिवस समारोह में क्या बोले सांसद पीपी चौधरी?

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र स्थित भारत के स्थायी मिशन ने संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में वार्षिक हिंदी दिवस समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए भारतीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल के नेता पीपी चौधरी ने कहा कि हिंदी केवल एक भाषा नहीं है। यह भारत की भावना, पहचान और एकता का प्रतीक है। यह वह सूत्र है जो पूरे देश को उत्तर से दक्षिण और पूर्व से पश्चिम तक जोड़ता है। इसका प्रयोग अब दुनिया भर में लगातार बढ़ रहा है।

चौधरी के नेतृत्व में संसदीय प्रतिनिधिमंडल आठ से 14 अक्टूबर तक न्यूयार्क की आधिकारिक यात्रा पर है। उन्होंने कहा कि 60 करोड़ लोगों द्वारा बोली जाने वाली हिंदी वैश्विक स्तर पर समुदायों को जोड़ती रही है। चौधरी ने जोर देकर कहा है कि हिंदी अब वैश्विक संचार की भाषा है। आज के डिजिटल युग में भी हिंदी का वैश्विक प्रभाव बना हुआ है।

इस कार्यक्रम में भारत के संसद सदस्यों के साथ-साथ दुनिया भर से स्थायी प्रतिनिधियों, उप-स्थायी प्रतिनिधियों, राजनयिकों और संयुक्त राष्ट्र अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल ने भाग लिया।

सेना की भव्य परेड, खतरनाक हथियारों के करतब; तानाशाह किम जोंग उन ने दुनिया को दिखाई ताकत

नई दिल्ली (एजेंसी)। उत्तर कोरिया में किम जोंग उन की सत्ताधारी पार्टी को बने 80 साल पूरे हो चुके हैं। बीते दिन उत्तर कोरिया में धूमधाम से इसका जश्न मनाया गया। इस समारोह में सेना की परेड देखने को मिली। साथ ही कई देशों से आए विदेशी मेहमानों का भी शानदार स्वागत किया गया।

कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी के अनुसार, वर्कर्स पार्टी के 80 साल पूरे होने के मौके पर 10 अक्टूबर को किम द्वितीय संग स्क्वायर में सेना की भव्य परेड हुई।

बैलिस्टिक मिसाइल से दिखाया करतब- इस परेड के दौरान उत्तर कोरिया ने कई खतरनाक हथियारों से भी कर्तब दिखाया गया, जिनमें इंटर कॉन्टीनेंटल बैलिस्टिक मिसाइल का नाम भी शामिल थी। उत्तर कोरिया में आयोजित इस कार्यक्रम में चीन, रूस और वियतनाम के उच्च पदस्थ नेता मौजूद थे।

चीनी पीएम भी पहुंचे- उत्तर कोरिया के तानाशाह महीने किम जोंग उन ने भी पिछले साल चीन का दौरा करते हुए राष्ट्रपति शी चिनफिंग से मुलाकात की थी। 2019 में शी चिनफिंग खुद उत्तर कोरिया गए थे। वहीं, अब 6 साल बाद चीनी पीएम ने उत्तर कोरिया का रुख किया है।

पुतिन ने करीबी को भेजा- रूस से भी उत्तर कोरिया के रिश्ते काफी अच्छे हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध के लिए उत्तर कोरिया ने बड़ी संख्या में सैनिकों को रूसी सेना में भेजा था। पिछले हफ्ते रूस और उत्तर कोरिया ने साझा बयान जारी किया था, जिसमें रूस ने उत्तर कोरिया को पूरा समर्थन देने का एलान किया था।

मोहल्ला मलबे में दफन, घर का सिर्फ निशान मिला... 6 महीने बाद लौटे फलस्तीनियों ने देखा कुछ ऐसा नजारा

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल-हमास के बीच बीते दिन शुक्रवार से युद्धविराम लागू हो गया। इसके बाद गाजा की तटवर्ती सड़क पर शुक्रवार को इंसानों का सैलाब उमड़ उमड़ पड़ा। इलाके में शांति आने के बाद लोगों ने चैन की सांस ली।

हजारों फलस्तीनी अपने बच्चों और बचे हुए सामान के साथ गाजा शहर की ओर लौटे। इन्ही में से एक शेख रदवान इलाके के इस्माइल जायदा जब अपने घर पहुंचे तो उनकी आंखों में राहत और दर्द दोनों ही थे। उन्होंने कहा, मेरे घर का सिर्फ निशान मिला है और पूरा मोहल्ल मलबे में दफन है। आसपास के मकान ढह चुके हैं, बिजली-पानी ठप है और सड़कें कब्रिस्तान सी लग रही हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप की मध्यस्थता की वजह से यह युद्धविराम हुआ। इसके तहत हमास 72 घंटे के भीतर 20 जिंदा इजरायली बंधकों को छोड़ेगा, इसके बदले इजरायल 250 फलस्तीनी कैदियों और 1700 हिरासत में लिए गए लोगों को रिहा करेगा।

इजरायल ने 53 प्रतिशत इलाके से सेना हटाने की घोषणा की है। अब 600 राहत ट्रक हर दिन गाजा पहुंचेगे। मलबे में दबी जिंदगियों के बीच लोग उम्मीद कर रहे हैं कि शायद अब गाजा में शांति लौटे।

पहली बार 12 साल बाद किसी संघर्ष में अमेरिकी सैनिकों की तैनाती होगी। दरअसल, गाजा में युद्धविराम के बाद अमेरिका ने 200 सैनिकों की सीमित तैनाती की घोषणा की है। यह तैनाती यूएन और मिस्त्र की टीमों के साथ होगी। अमेरिका सैनिक युद्धविराम की स्थिति पर नजर रखेंगे, राहत सामग्री के सुरक्षित वितरण में मदद करेंगे और सुरक्षा मुहैया कराएंगे।

ट्रंप की उम्र से 14 साल छोटा है उनका दिल, अमेरिकी राष्ट्रपति की सेहत पर आया अपडेट

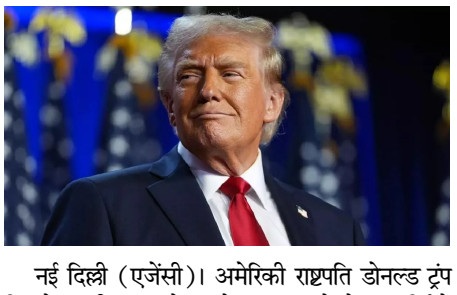

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप पिछले काफी समय से अपने स्वास्थ्य को लेकर सूर्खियों में हैं। ट्रंप की हेल्थ पर लगातार सवाल खड़े हो रहे हैं। 79 वर्षीय ट्रंप का हाल ही में मेडिकल चेकअप हुआ, जिसके बाद डॉक्टर ने ट्रंप का हेल्थ अपडेट शेयर किया है। व्हाइट हाउस में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान डॉक्टर बारबाबेला और प्रेस सचिव कैरोलाइन लेविट ने ट्रंप की सेहत की जानकारी दी। डॉक्टर बारबाबेला ने ट्रंप को फिट एंड फाइन बताया है।

ट्रंप के दिल की उम्र 14 साल कम- डॉक्टर बारबाबेला के अनुसार, 79 वर्षीय ट्रंप बिल्कुल फिट हैं। उनकी कार्डिएक हेल्थ (दिल की सेहत) भी शानदार है। ट्रंप की कार्डिएक एज उनकी उम्र से 14 साल कम है।

डॉक्टर बारबाबेला के अनुसार, ट्रंप की कार्डियोवैस्कुलर, पल्मोनरी, न्यूरोलॉजिकल और शारीरिक सेहत एकदम दुरुस्त है। ट्रंप ने हाल ही में फ्लू वैक्सीन और अपडेटेड कोविड 19 वैक्सीन का बूस्टर डोज भी लगवाया है।

बता दें कि 6 महीने पहले भी ट्रंप का रूटीन चेकअप हुआ था। अप्रैल में हुए इस टेस्ट में भी ट्रंप की रिपोर्ट नॉर्मल आई थी। वहीं, अब वॉल्टर रीड नेशनल मिलिट्री मेडिकल सेंटर में ट्रंप की ईसीजी समेत सभी टेस्ट किए गए हैं। जनवरी में व्हाइट हाउस में दोबारा कार्यभार संभालने के बाद ट्रंप अमेरिकी राष्ट्रपति पद संभालने वाले सबसे उम्रदराज व्यक्ति हैं। रविवार को गाजा युद्धविराम समझौते की मध्यस्थता के बाद वो मध्य पूर्व की यात्रा करने की तैयारी कर रहे हैं। वहीं, ट्रंप की विदेश यात्रा से पहले उनका टेस्ट करवाया गया है।

अधिकारियों को भी नहीं मिल पाता न्याय, IPS पूरन कुमार की पत्नी को लिखी चिट्ठी में सोनिया गांधी ने क्या कहा?

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने कथित तौर पर आत्महत्या करने वाले आईपीएस अधिकारी वाई पूरन कुमार की पत्नी को पत्र लिखा है और कहा है कि उनकी मौत इस बात की याद दिलाती है कि सत्ता में बैठे लोगों का पूर्वाग्रही और पक्षपातपूर्ण रवैया सबसे वरिष्ठ अधिकारियों को भी सामाजिक न्याय से वंचित करता है।

कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष ने पूरन कुमार की पत्नी नौकरशाह अमनीत पी कुमार को लिखे पत्र में कहा कि वह और देश के लाखों लोग न्याय के उनके रास्ते पर उनके साथ खड़े हैं।

उन्होंने अपने पत्र में कहा, आपके पति और वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी, वाई पूरन कुमार की दुखद मृत्यु की खबर चौंकाने वाली और बेहद दुखद है। इस कठिन समय में आपको और आपके पूरे परिवार के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना।

उन्होंने आगे कहा, वाई. पूरन कुमार का निधन हमें याद दिलाता है कि आज भी सत्ता में बैठे लोगों का पूर्वाग्रही और पक्षपातपूर्ण रवैया, वरिष्ठतम अधिकारियों को भी सामाजिक न्याय से वंचित रखता है।

बीजापुर के जंगल में IED ब्लास्ट, कोबरा बटालियन का जवान घायल

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर में भयानक IED विस्फोट देखने को मिला है। इस धमाके में कोबरा बटालियन का एक जवान गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना को पहाड़ी जंगलों में फंसे माओवादियों ने अंजाम दिया है।

यह घटना बीजापुर के उसूर थाना क्षेत्र स्थित पुजारीकांकेर में हुई। एफओबी पुजारीकांकेर से कोबरा 206 बटालियन की टीम एरिया डॉमिनेशन ड्यूटी पर निकली थी। तभी रास्ते में IED ब्लास्ट हो गया। सुरक्षाबलों ने घायल जवान को तुरंत अस्पताल पहुंचाया, जहां उसका इलाज चल रहा है। पुलिस के अनुसार, जवान की सेहत में अब सुधार आया है और वो खतरे से बाहर है।

शुरू हुआ सर्च ऑपरेशन- धमाके वाले इलाके में माओवादियों के छिपे होने की संभावना है। ऐसे में पुलिस ने इलाके में सर्च ऑपरेशन तेज कर दिया है। माओवादियों ने IED बिछाकर बड़ी संख्या में जवानों को निशाना बनाने की साजिश रची थी। हालांकि, वो अपनी मंशा में कामयाब नहीं हो सके। तेलंगाना में लंबे समय से भूमिगत रहे तीन कुख्यात माओवादियों ने आत्मसमर्पण कर दिया है।

महतारी वंदन योजना से 5 लाख महिलाओं के नाम कटने पर हंगामा, कांग्रेस ने बीजेपी से पूछा सवाल

नई दिल्ली (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ सरकार ने महिलाओं के लिए महतारी वंदन योजना शुरू की थी। पिछले साल शुरू हुई इस योजना को लेकर अब राज्य में सियासी घमासान मच गया है। नारी सशक्तिकरण के लिए लागू हुई यह योजना सवालों के कठघरे में है। पिछले कुछ सालों में लगभग 5 लाख महिलाओं को लाभार्थियों की सूची से निकाल दिया गया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2024 में रायपुर से महतारी वंदन योजना की घोषणा की थी। इस योजना के तहत 70.12 लाख महिलाओं के खाते में 655.57 रुपये ट्रांसफर किए गए थे। यह योजना राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाओं में से एक थी।

5 लाख महिलाओं के नाम हटाए

2023 में छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव के दौरान बीजेपी सरकार ने 21 साल से अधिक सभी महिलाओं को हर महीने 1000 रुपये देने की घोषणा की थी। इस साल अक्टूबर में गृह मंत्री अमित शाह ने योजना की 20वीं किश्त जारी की, जिसका लाभ केवल 64.94 महिलाओं को ही मिला। इस लिस्ट में लगभग 5 लाख महिलाओं के नाम नहीं थे।

महतारी वंदन योजना में लाभार्थियों की संख्या में आई कमी के बाद कांग्रेस सरकार ने भी सवाल उठाने शुरू कर दिए हैं।

AI और सुपरफास्ट नेटवर्क के साथ भारत में आने वाला है 6G युग, 5G से 100 गुना तेज होगी स्पीड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत अब 6G युग की ओर बढ़ रहा है। सरकार ने भारत 6G विजन के तहत 2030 तक दुनिया के अग्रणी 6G देशों में शामिल होने का लक्ष्य तया किया है। इस मिशन के तहत अब तक 275.88 करोड़ रुपये के 104 प्रोजेक्ट मंजीर किए जा चुके हैं। देशभर के 100 से अधिक शैक्षणिक संस्थानों में 5G और 6G लैब्स तैयार की जा रही हैं, जहां वैज्ञानिक 6G तकनीक पर शोध कर रहे हैं।

6G के फायदे- 6G नेटवर्क मौजूदा 5त से कई गुना तेज और इंटेलिजेंट होगा। इस में कई तकनीक शामिल की जा रही हैं, जो संचार की दिशा बदल देंगी।

पूरा सिस्टम आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग से संचालित होगा, जो रियल टाइम रूटिंग और बैंडविथ मैनेजमेंट संभालेगा।

कम्युनिकेशन और सेंसिंग इंटीग्रेशन- नेटवर्क सिर्फ डेटा ही नहीं भेजेगा, बल्कि आसपास के वातावरण को भी समझेगा। जैसे किसी की सटीक लोकेशन या मूवमेंट का पता लगाना।

6G नेटवर्क में सैटेलाइट, ड्रोन, हाई-एल्टीट्यूड प्लेटफॉर्म और भूमि नेटवर्क सब आपस में जुड़ेंगे। इससे देश के हर इलाके, यहां तक की पहाड़ों और दूरदराज गांवों में भी तेज इंटरनेट पहुंच सकेगा। इसके अलावा, लाई-फाई तकनीक के जरिए लाइट के माध्यम से इंटरनेट मिलेगा, यानी जहां फाइबर केबल नहीं वहां भी नेट चलेगा।

कहां-कहां पड़ेगा 6G का असर- स्मार्ट हेल्थकेयर– डॉक्टर दूर से ही रियल टाइम सर्जरी और सेंसर मॉनिटरिंग कर पाएंगे।

ऑटोनॉमस व्हीकल्स- बेहद कम लेटेंसी की वजह से सेल्फ-ड्राइविंह कारें और ड्रोन और ज्यादा सटीक काम करेंगे।

इंडस्ट्री 4.0- फैक्ट्रियों में AI रोबोट्स और रियल टाइम ऑटोमेशन सिस्टम काम संभालेंगे।

स्मार्ट सिटीज– हर डिवाइस इंटरनेट ऑफ थिंग्स से जुड़ा होगा, जिससे ऊर्जा की बचत और सुरक्षा दोनों बढ़ेंगी।

पाकिस्तान-बांग्लादेश से मिल रहे नफरत भरे मैसेज, मानहानि के मुकदमे पर बोले समीर वानखेड़े

नई दिल्ली (एजेंसी)। जबसे आर्यन खान की पहली सीरीज 'बैड्स ऑफ बॉलीवुड' स्ट्रीम हुई है। तब से ही पूर्व एनसीबी समीर वानखेड़े चर्चा में हैं। नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के पूर्व मुंबई क्षेत्रीय निदेशक, समीर वानखेड़े ने नेटफ्लिक्स और रेड चिलीज एंटरटेनमेंट सीरीज को लेकर दायर मानहानि के मुकदमे के बारे में बात करते हुए कहा कि पाकिस्तान और यूएई से नफरत भरे संदेश आ रहे हैं।

वानखेड़े ने कहा मेरा व्यक्तिगत मानना है कि इसका मेरे काम या पेशे से कोई लेना-देना नहीं है। अपनी व्यक्तिगत हैसियत से, मैंने दिल्ली उच्च न्यायालय का रुख किया है। मैं अदालती कार्यवाही या इससे जुड़े मुद्दों पर कोई टिप्पणी नहीं करना चाहूंगा, क्योंकि मामला न्यायालय में विचाराधीन है। यह आत्म-सम्मान, व्यक्तिगत गरिमा और व्यक्तिगत सम्मान का मामला है।

नशाखोरी के खिलाफ काम करने वालों का अपमान- उन्होंने आगे कहा, आप जो भी व्यंग्य या पैरोडी बनाएं, अपने लोगों या पेशे पर ही बनाएं। आज, नशाखोरी हमारे देश के लिए एक बड़ा मुद्दा बन गया है और ऐसी चीजों को उजागर करके, आप सिर्फ एक व्यक्ति का नहीं, बल्कि मेरे साथ काम करने वालों और नशाखोरी के खिलाफ लड़ने वाले अन्य लोगों का अपमान कर रहे हैं।

वानखेड़े ने न्याय व्यवस्था में अपना विश्वास व्यक्त करते हुए कहा, कि मुझे हमारी न्यायपालिका, हमारे संविधान और हमारे देश की व्यवस्था पर भरोसा है। मैं भारत सरकार का एक वफादार सिपाही हूं। हमारी व्यवस्था में कई जांच और संतुलन हैं और एक उचित नियम पुस्तिका है, संविधान है, जिसके अनुसार हम काम करते हैं। यहां एक व्यक्ति निर्णय नहीं लेता। सब कुछ नियमों और विनियमों के अनुसार किया गया है। यह किसी प्रचार की बात नहीं है, यह सम्मान की बात है। मुझे जिस तरह के नफरत भरे संदेश मिल रहे हैं, कोई भी स्वाभिमानी व्यक्ति इस पर चुप नहीं रहेगा। मैं इस कानूनी लड़ाई को हर संभव हद तक लड़ूँगा। मैंने सभी संदेश दिल्ली उच्च न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत कर दिए हैं।

कांग्रेस नेता ने राहुल गांधी के लिए मांगा नोबेल, बीजेपी बोली- 99 बार चुनाव हारने पर मिलेगा पुरस्कार

नई दिल्ली (एजेंसी)। वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो को 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया है। नोबेल पुरस्कार के एलान के बाद कांग्रेस ने वेनेजुएला की मुख्य विपक्षी नेता मारिया कोरिना मचाडो की तुलना लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी से की है। कांग्रेस प्रवक्ता ने संकेत दिया कि जैसे मचाडो को अपने देश में लोकतांत्रिक अधिकारों के संघर्ष के लिए यह पुरस्कार मिला है। वैसे ही राहुल गांधी संविधान बचाने की लड़ाई लड़ रहे हैं।

दरअसल, कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत ने शुक्रवार एक्स पर एक पोस्ट करते हुए को मारिया और राहुल गांधी के बीच कई समानताएं गिना डालीं। इसको लेकर भाजपा नेता शहजाद पूनावाला का रिएक्शन आया है। उन्होंने कहा कि राहुल बाबा को 99 बार चुनाव हारने के लिए नोबेल मिलना चाहिए।

जानिए क्या बोले कांग्रेस प्रवक्ता सुरेंद्र राजपूत- कांग्रेस प्रवक्ता ने सुझाव सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर मचाडो के साथ राहुल गांधी की तस्वीर शेयर करते हुए लिखा, इस बार शांति का नोबेल पुरस्कार वेनेजुएला की विपक्षी नेता को संविधान की रक्षा के लिए दिया गया है। भारत के विपक्षी नेता राहुल गांधी देश के संविधान को बचाने की लड़ाई का नेतृत्व कर रहे हैं। सुरेंद्र राजपूत ने कहा कि दोनों ही विपक्ष के नेता थे जो अपने-अपने देशों में लोकतांत्रिक आदर्शों के लिए लड़ रहे थे। हालांकि इसको लेकर पार्टी ने ऐसी कोई आधिकारिक मांग नहीं की है।

भाजपा ने साधा निशाना

सुरेंद्र राजपूत के पोस्ट पर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी के लिए नोबेल शांति पुरस्कार की मांग पर भाजपा ने कांग्रेस पर निशाना साधा है। शहजाद पूनावाला एक्स पर एक किए पोस्ट में राहुल गांधी की तुलना मारिया कोरिना से करने को विचित्र बताया। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहज़ाद पूनावाला ने कहा, कांग्रेस राहुल बाबा के लिए नोबेल पुरस्कार की मांग कर रही है, यह विचित्र है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
हिन्दकुश
info@hindkush.in
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उज्जैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
जागरयाम
info@jagrayam.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 शुक्ल षष्ठमी

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

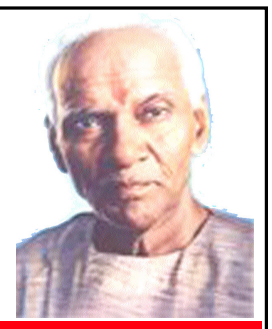

संपादकीय

सार्वजनिक आंदोलनों ने राजनीतिक संतुलन पर प्रभाव डाला है...

वैश्विक स्तरपर पिछले तीन-चार वर्षों में दक्षिण एशिया के कुछ देशों में युवा-आधारित (अक्सर ज़ेन ज़ेड) आन्दोलन तेज़ी से उभरे हैं, श्रीलंका (2022), बांग्लादेश (2024) और हाल ही में नेपाल (सितंबर 2025) में बड़े सार्वजनिक आंदोलनों ने राजनीतिक संतुलन पर प्रभाव डाला है। इन घटनाओं ने यह सवाल जगाया है कि क्या इसी तरह की ज़ेन ज़ेड सक्रियता अब भारत के कुछ संवेदनशील इलाकों में (जैसे लद्दाख/लेह) परिलक्षित होकर हिंसा या बड़े सार्वजनिक अशांतियों का रूप ले रही है?और क्या इसके पीछे कोई व्यवस्थित अंतरराष्ट्रीय साजिश या सीमापार प्रेरणा है? क्या लद्दाख में नेपाल पार्ट-2 करने की कोशिश हो रही थी। आज सबसे बड़ा सवाल ये है कि क्या नेपाल की तरह लद्दाख में बगावत की तैयारी थी? जांच में ये पता चला है कि इसके पीछे एक गहरी साजिश थी और लद्दाख को जलाने के लिए एक पूरा टूलकिट काम कर रहा था। मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र ने सोशल मीडिया पर देखा कि लद्दाख में जेन-ज़ी प्रोटेस्ट क़ा कई लोगों ने दावा किया कि लद्दाख में प्रदर्शनकारी जेन ज़ेड के लोग थे,सोशलमीडिया पर एक शख्स ने लेह का एक वीडियो शेयर किया, जिसका टाइटल था-जेन ज़ेड लद्दाख की सड़कों पर है एक अन्य यूजर ने आरोप लगाया,लद्दाख में जेन ज़ेड के प्रदर्शनकारियों ने बीजेपी कार्यालय में आग लगा दी, पूरी तरह अराजकता फैल गई,कुछ लोगों ने तो हाल ही में हुए नेपाल प्रोटेस्ट से भी तुलना की, जहां जेन ज़ेड के प्रदर्शनकारियों ने ओली सरकार को गिरा दिया था, इस बीच, एक एक्टिविस्ट ने चिंता जाहिर करते हुए कहा, लेह में हुई घटनाएं बहुत दुखद हैं,शांतिपूर्ण रास्ते का मेरा संदेश आज फेल हो गया, मैं युवाओं से अपील करता हूं कि कृपया यह बकवास बंद करें, इससे हमारे मकसद को ही नुकसान पहुंचता हैअब सवाल उठता है कि क्या ज़ेन ज़ेड की एंट्री भारत में एक साजिश की तरह कराई जा रही है? या फिर वास्तव में आक्रोश उत्पन्न हो रहा है?इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्धजानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे,दक्षिण एशिया में ज़ेन ज़ेड का बढ़ता प्रदर्शन-परिदृश्य और भारत पर इसका असर-लद्दाख (लेह) के हालिया घटनाक्रम पर सटीक विश्लेषण।

साथियों बात अगर हम क्या नेपाल - बांग्लादेश- श्रीलंका की तरह भारत में भी ज़ेड ज़ेन साजिश रची जा रही है? और क्या सरकार को हाई-अलर्ट होना चाहिए? को समझने की करें तो, अब तक उपलब्ध खुली रिपोर्टिंग यह संकेत देती है कि दक्षिण एशिया में उभरते ज़ेड ज़ेन

आंदोलनों की प्रेरणा अधिकतर आंतरिक (स्थानीय असंतोष, बेरोज़गारी, सोशल-मीडिया/नियमों पर आपत्ति, पारंपरिक व्यवस्था से नाराज़गी) से आई है, न कि किसी एक विदेशी- संगठित, निर्देशित साजिश से। फिर भी, क्योंकि युवाओं ने विभिन्न देशों की रणनीतियाँ और चिट-चैट सोशल प्लेटफॉर्मों पर देखा-सीखा है, विचारों का पारस्परिक आदान-प्रदान हुआ है,और सीमापार प्रभाव/प्रेरणा का छोटा-सा रोल काम कर सकता है। इस तरह के क्षेत्रों में केंद्र/राज्य सुरक्षा-तंत्रों के लिए सतर्कता व निगरानी महत्वपूर्ण है,पर मौजूदा रिपोर्टों में कोई निर्णायक ठोस सबूत नहीं मिला कि नेपाल/बांग्लादेश/श्रीलंका के आंदोलनों को किसी एक केंद्रीय विदेशी एजेंसी ने भारत के लिए निर्देशित किया है।विश्लेषकों का कहना है कि दक्षिण एशिया में ज़ेन ज़ेड आंदोलनों के बीच कुछ साझा विषय रहे,अविकसित रोज़गार, करप्शन/निहित-स्वार्थ, सोशल-मीडिया प्रतिबंध या अर्थव्यवस्था से जुड़ी असंतुष्टि। ये साझा कारण युवा-आंदोलन कोसमान रणनीतिक विचार दे सकते हैं।

राम मनोहर लोहिया

राम मनोहर लोहिया भारत के स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, प्रखर चिन्तक तथा समाजवादी राजनेता थे। राम मनोहर लोहिया को भारत एक अजेय योद्धा और महान् विचारक के रूप में देखता है। देश की राजनीति में स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान और स्वतंत्रता के बाद ऐसे कई नेता हुए जिन्होंने अपने दम पर शासन का रुख़ बदल दिया जिनमें एक थे राममनोहर लोहिया। अपनी प्रखर देशभक्ति और बेलौस तेजस्वी समाजवादी विचारों के कारण अपने समर्थकों के साथ ही डॉ. लोहिया ने अपने विरोधियों के मध्य भी अपार सम्मान हासिल किया। डॉ. लोहिया सहज परन्तु निडर अवधूत राजनीतिज्ञ थे। उनमें सन्त की सन्तता, फक्कड़पन, मस्ती, निर्लिप्तता और अपूर्व त्याग की भावना थी। डॉ. लोहिया मानव की स्थापना के पक्षधर समाजवादी थे। वे समाजवादी भी इस अर्थ में थे कि, समाज ही उनका कार्यक्षेत्र था और वे अपने कार्यक्षेत्र को जनमंगल की अनुभूतियों से महकाना चाहते थे। वे चाहते थे कि, व्यक्ति-व्यक्ति के बीच कोई भेद, कोई दुराव और कोई दीवार न रहे। सब जन समान हों। सब जन सबका मंगल चाहते हों। सबमें वे हों और उनमें सब हों। वे दार्शनिक व्यवहार के पक्ष में नहीं थे। उनकी दृष्टि में जन को यथार्थ और सत्य से परिचित कराया जाना चाहिए। प्रत्येक जन जाने की कौन उनका मित्र है कौन शत्रु है जनता को वे जनतंत्र का निर्णायक मानते थे।

जीवन परिचय- राम मनोहर लोहिया का जन्म कृष्ण चैत्र तृतीया, 23 मार्च 1910 की प्रातः तमसा नदी के किनारे स्थित क़स्बा अकबरपुर, फैजाबाद में हुआ था। उनके पिताजी श्री हीरालाल पेशे से अध्यापक व हृदय से सच्चे राष्ट्रभक्त थे। उनके पिताजी गाँधी जी के अनुयायी थे। जब वे गाँधी जी से मिलने जाते तो राम मनोहर को भी अपने साथ ले जाया करते थे। इसके कारण गाँधी जी के विराट व्यक्तित्व का उन पर गहरा असर हुआ। लोहिया जी अपने पिताजी के साथ 1918 में अहमदाबाद कांग्रेस अधिवेशन में पहली बार शामिल हुए।

शिक्षा - लोहिया जब पाँच वर्ष के हुए तो पास ही की टण्डन पाठशाला में उनका नाम लिखा दिया गया। चेतना की धारा को नया मोड़ मिला। नटखट लोहिया वानर सेना का नेतृत्व सम्भालने लगे। शैतानियाँ बढ़ने लगीं। धमाचौकड़ी-काल शुरू हुआ। कबड्डी खेलते, गुल्ली-डण्डा उड़ाते और दौड़ते-कूदते थे। वे बेहद चटुल और शरारती थे। शरीर दुर्बल, परन्तु मन से सुदृढ़ थे और बुद्धि से कुशाग्र थे।

तमसा पार स्थित विश्वेश्वरनाथ हाई स्कूल में लोहिया को पाँचवीं कक्षा में प्रवेश दिलाया गया। टण्डन पाठशाला की अपेक्षा यहाँ की दुनिया अधिक चमत्कार पूर्ण व आकर्षक थी। यहाँ उन्होंने अलगोजा बजाना सीखा था।

लोहिया को तीसरा स्कूल मिला- मारवाड़ी विद्यालय। डॉ. लोहिया शहरी परिवेश से अचानक जुड़ गए, क्योंकि बम्बई का मारवाड़ी स्कूल विश्वेश्वरनाथ हाईस्कूल से कई अर्थों में अति आधुनिक था और उसकी गणना अच्छे स्कूलों में की जाती थी। लोहिया शुरू से ही शरारती थे। इसके साथ ही वे प्रतिभा सम्पन्न तथा मेधावी भी थे। उसका फल यह हुआ कि वे सदैव ही अध्यापकों के चहेते रहे। मारवाड़ी विद्यालय में उन्होंने वक्तृत्व कला का अच्छा परिचय दिया। वाद-विवाद में वे उत्कृष्ट वक्ता सिद्ध हुए। अंग्रेज़ी भाषा पर उनका ख़ासा अधिकार हो चला था। वे अपने को मेधावी सिद्ध कर रहे थे तथा अपनी प्रतिभा से सबको आकृष्ट कर रहे थे।

उच्च शिक्षा- बम्बई से लोहिया वाराणसी लौट आए। काशी हिन्दू विश्वविद्यालय में इण्टर का अध्ययन शुरू कर दिया। काशी उस समय राष्ट्रीय शिक्षा का गढ़ समझा जाता था। सन् 1927 ई. में वहाँ से उन्होंने इण्टर की परीक्षा उत्तीर्ण की। इण्टर पास करने के बाद सन् 1927 में लोहिया कलकत्ता आ गए। उन्होंने सेंट जेवियर्स तथा स्काटिश चर्च जैसे ख्यातिनामा महाविद्यालय को छोड़कर विद्यासागर महाविद्यालय में प्रवेश लिया था, जो उस समय भेंड़ों की सराय के नाम से जाना जाता था। लेकिन इस कॉलेज के प्राचार्य राष्ट्रीय विचारधारा से सम्बद्ध थे और लोहिया राष्ट्रीय विचारधारा के पूर्णतः समर्थक थे। लोहिया का अंग्रेज़ी भाषा पर ख़ासा अधिकार था। मित्रों पर ख़र्च करने के वे बड़े शौक़ीन थे। इससे उन्हें आन्तरिक प्रसन्नता की अनुभूति प्राप्त होती थी और उनका चित्त संतोष प्राप्त करता था। दूसरी तरफ़ उनके इतिहास प्रेम की परिणति सिनेमा देखना, पुस्तकें ख़रीदना और उपन्यास पढ़ने में हो गई थी।

डॉ. लोहिया के मन में स्वतंत्र देश का स्वाभिमान जाग उठा था। वे शिक्षा प्राप्त करने की अपेक्षा सम्मान के प्रति ज़्यादा सजग हो उठे थे। उनमें इसके साथ अपने देश को आज़ाद कराने की बात गहरे पैठती गई थी। वे देश की आज़ादी के प्रतिबद्ध हो चुके थे। इन्हीं कारणों से लोहिया बर्लिन के लिए रवाना हो गए। वहाँ उन्होंने बर्लिन के हुम्बोल्ट विश्वविद्यालय में प्रवेश ले लिया। विश्वविख्यात अर्थशास्त्री प्रोफ़ेसर बर्नर जोम्बार्ट उसी विश्वविद्यालय में थे। लोहिया ने उनको ही अपना निर्देशक तथा परीक्षक चुना।

मातृभाषा के प्रति प्रेम- लोहिया बर्लिन तो आ गए, परन्तु अभी बर्नर जोम्बार्ट के सामने साक्षात्कार हेतु प्रस्तुत होना शेष था। लोहिया बिना झिझक उनके सामने पहुँचे और प्रोफ़ेसर जोम्बार्ट के प्रश्नों के उत्तर अंग्रेज़ी में देने लगे। कुछ देर प्रोफ़ेसर मुस्कराए और जर्मन भाषा में बोले कि, 'उन्हें अंग्रेज़ी नहीं आती है।' वाह रे, मातृभाषा प्रेम! वाह! लोहिया प्रोफ़ेसर का अपनी मातृभाषा के प्रति ऐसा अनन्य प्रेम देखकर श्रद्धानत हो गए और उन्हें तीन माह बाद पुनः आने का आश्वासन देकर लौट पड़े। कहना ही होगा कि, यहीं से उनमें मातृभाषा प्रेम ज़ोर पकड़ गया था और वे आजीवन मातृभाषा के हिमायती रहे।

लोहिया के सामने यह खुली चुनौती थी और उन्होंने तीन माह, रात-दिन जुटकर जर्मन भाषा में ख़ासी सफलता प्राप्त कर ली। इसके साथ ही यह सुदृढ़ निश्चय भी हो गया कि ज्ञान तथा अभिव्यक्ति के लिए किसी ख़ास भाषा का ज्ञान होना ज़रूरी नहीं होता। मातृभाषा को छोड़कर ज्ञान व अभिव्यक्ति का दूसरा सशक्त माध्यम कोई नहीं हो सकता। मातृभाषा और हिन्दी के प्रति उनमें अटूट श्रद्धा व विश्वास होने का यही कारण था। वे कलकत्ता में, अध्ययन करते हुए भी हिन्दी में बातचीत करना अधिक पसन्द करते थे। अधकचरी भाषा के फ़ैशनपरस्त लोगों को वे खूब आड़े हाथों लेते थे। तीन माह बाद जब वे प्रोफ़ेसर जोम्बार्ट से मिले, तब वे लोहिया के जर्मन भाषा-ज्ञान का परिचय पाकर मुग्ध हो गए और लोहिया धरती का नमक शीर्षक से शोध प्रबन्ध लिखने में जुट गए।

विदेश से वापसी- चार साल के बाद लोहिया जर्मनी से डॉक्टर बनकर लौटे। वे अपनी मातृभूमि पर लौटे थे- हरित श्यामला भूमि पर और वह भी एक लम्बे अर्से के बाद। कितनी स्मृतियों ने उन्हें जकड़ लिया था और कितना कुछ सामने करने को था। वे मन-ही-मन अपनी प्यारी धरती माँ को नमस्कार करके जहाज़ से उतर आए। लोहिया जी अर्थशास्त्र से पी.एच.डी. करके लौटे थे। लोहिया कलम के धनी थे। प्रतिभा की धार और विद्धत्ता ही उनकी पूँजी थी। वे सीधे मद्रास से प्रकाशित होने वाली अंग्रेज़ी पत्र हिन्दू के कार्यालय पहुँचे। उन्हें सम्पादक तो नहीं मिले, लेकिन सह-सम्पादक मिले। लोहिया जी ने अपना परिचय दिया और लेख लिखकर देने का कारण बताया। उन्होंने वहाँ बैठकर लेख लिख डाला और उसके लिए पारिश्रमिक स्वरूप पच्चीस रुपये प्राप्त किए।

लोहिया कलकत्ता आ गए। वहाँ अपने पिता से मिले, अपने चाचा रामकुमार के घर गए। लोहिया को अपने चाचा से मालूम पड़ा कि, उनके पिता कारोबार बन्द कर सारा समय कांग्रेस को देने लगे हैं। लम्बी जेलयात्रा भी कर आए हैं। आजकल बड़ा बाज़ार को उन्होंने अपना कार्यक्षेत्र बना रखा है। चरखा समिति बना डाली है। वे हिन्दी प्रचारक पुस्तकालय में भी बैठते हैं। हिन्दू-मुसलमान के भेदभाव को दूर करने के लिए कौमी बाल्टी रख छोड़ी है। उनकी दृष्टि में वह बाल्टी हिन्दू-मुसलमान एकता का प्रतीक है, क्योंकि दोनों ही उससे पानी लेकर पीते थे। लोहिया ने पाया कि कलकत्ता पहले से भी अधिक ग़रीब हो गया है। बेकारी बढ़ी है।

यूपी की टॉप 5 अमीरों की लिस्ट में बड़ा उलटफेर, घड़ी के मालिक से छिना नंबर वन का ताज

नई दिल्ली (एजेंसी)। हुरुन इंडिया की लिस्ट आने के बाद उत्तर प्रदेश के अमीरों की लिस्ट में बलट उलटफेर देखने को मिला है। पिछले लिस्ट के अनुसार नई लिस्ट में बड़ा परिवर्तन देखने को मिला है। आज के इस लेख में हम आपको यूपी के टॉप अमीरों के बारे में बताएंगे कि आखिर कौन यूपी की टॉप 5 सबसे अमीर व्यक्ति हैं।

कानपुर के घड़ी समूह के मुरलीधर ज्ञानचंदानी इस सूची में पिछले साल नंबर वन पर थे। लेकिन अब उनका नंबर वन का ताज छिन गया है। ये ताज किसी और के हाथ लग गया है। आइए जानते हैं कि आखिर वो कौन हैं जिन्होंने मुरलीधर ज्ञानचंदानी को पछाड़कर यूपी के सबसे अमीर शख्स का ताज अपने नाम किया।

कौन है उत्तर प्रदेश का सबसे अमीर व्यक्ति- हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के अनुसार इस बार यूपी के सबसे अमीर शख्स का खिताब नोएडा के आदित्य खेमका को गया है। उनकी कंपनी आदित्य इन्फोटेक लगातार अच्छी ग्रोथ कर रही है। हुरुन इंडिया रिच लिस्ट 2025 के मुताबिक आदित्य खेमका की नेट वर्थ 35,140 करोड़ रुपये है। उनकी कंपनी सॉफ्टवेयर सॉल्यूशन प्रोवाइड करती है। पहले यूपी के सबसे अमीर व्यक्ति मुरलीधर ज्ञानचंदानी थे। उनकी नेटवर्थ 15800 करोड़ रुपये थी। लेकिन अब वह पिछड़ गए हैं। मुरली ज्ञानचंदानी की नेटवर्थ कम होकर 8,880 करोड़ रुपये रह गई है।

मुरली ज्ञानचंदानी दूसरे नंबर पर भी नहीं है। यूपी के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति हैं अलख पांडे। उनकी नेटवर्थ 14,520 करोड़ रुपये है। इसके बाद नंबर तीन पर हैं सचिन अग्रवाल। लखनऊ के सचिन अग्रवाल की नेट वर्थ 11,320 करोड़ रुपये है। सचिन अग्रवाल के बाद नंबर आता है कानपुर के मुरलीधर ज्ञानचंदानी का है। वह 8,880 करोड़ रुपये की नेट वर्थ के साथ यूपी के चौथे सबसे अमीर व्यक्ति हैं। इसके बाद कानपुर के ही बिमल ज्ञानचंदानी आते हैं। उनकी नेट वर्थ 5,920 करोड़ रुपये है।

क्रिप्टो बाजार में आया भूचाल! ट्रंप के चीन पर 100% टैरिफ एलान के बाद बिटकॉइन और एथेरियम हुए धराशायी

नई दिल्ली (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन से आयातित सभी महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर पर अमेरिकी टैरिफ को 100 फीसदी बढ़ाने का एलान किया। इस एलान के बाद बिटकॉइन, एथेरियम और अधिकांश अन्य क्रिप्टोकरेंसी की कीमतों में भारी गिरावट आई। हालांकि यह 1 नवंबर से लागू होगा।

रॉयटर्स की रिपोर्ट के अनुसार, यह गिरावट चीन ने रेयर अर्थ मिनरल पर निर्यात सीमा की घोषणा के बाद आया है जो विनिर्माण, विशेष रूप से टेक्नोलॉजी के लिए खास है।

इथेरियम में 12% की गिरावट- कॉइनमार्केटकैप के आंकड़ों के अनुसार सुबह बिटकॉइन 7.60 फीसदी गिरकर 1,12,592.31 डॉलर और इथेरियम 12.24 फीसदी गिरकर 3845.92 डॉलर पर आ गया।

कॉइनमार्केटकैप के अनुसार, दुनिया की सबसे बड़ी क्रिप्टोकरेंसी में 1,20,000 के स्तर पर समर्थन न मिलने के बीच 9.5 बिलियन की लिक्विडिटी हुई।

सुबह बिटकॉइन 8.40% गिरकर 111,841.14 डॉलर पर था, जबकि मार्केट कैप भी 8.12 फीसदी गिरकर 2.23 ट्रिलियन डॉलर पर था। दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी क्रिप्टो, इथेरियम 15.62% गिरकर 3,792.31 डॉलर पर आ गई, जिसका मार्केट कैप 13.81% घटकर 456.97 बिलियन डॉलर हो गया।

दिवाली से पहले किसानों को 42000 करोड़ का तोहफा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र की मोदी सरकार ने दिवाली से से पहले किसानों को बड़ा तोहफा दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार 11 अक्टूबर को नई दिल्ली में एक विशेष कृषि कार्यक्रम में कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में 42 हजार करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली कई परियोजनाओं और योजनाओं का शुभारंभ, उद्घाटन और शिलान्यास किया। भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान में आयोजित इस कार्यक्रम के दौरान, प्रधानमंत्री मोदी ने कृषि क्षेत्र की दो प्रमुख पहलों, प्रधानमंत्री धन धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का अनावरण किया, जिनका परिव्यय 35 हजार करोड़ रुपये से अधिक है। प्रधानमंत्री ने कृषि, पशुपालन, मत्स्य पालन और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्रों में ?5,450 करोड़ से अधिक मूल्य की परियोजनाओं का उद्घाटन किया और लगभग ?815 करोड़ मूल्य की अतिरिक्त परियोजनाओं की आधारशिला रखी।

24 हजार करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ शुरू की गई है, जिसका उद्देश्य कृषि उत्पादकता में वृद्धि, फसल विविधीकरण और टिकाऊ कृषि पद्धतियों को अपनाना, सिंचाई सुविधाओं में सुधार और चयनित 100 जिलों में दीर्घकालिक और अल्पकालिक ऋण की उपलब्धता को सुगम बनाना है।

राष्ट्रीय राजधानी स्थित पूसा परिसर में एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के सपने को साकार करने में किसानों की महत्वपूर्ण भूमिका है।

PM Dhan Dhanya Krishi Yojana का उद्देश्य आकांक्षी जिला कार्यक्रम (एडीपी) मॉडल के आधार पर 100 कम प्रदर्शन वाले कृषि जिलों का कायाकल्प करना है। यह योजना फसल उत्पादकता बढ़ाने, फसल विविधीकरण को बढ़ावा देने, सिंचाई और भंडारण सुविधाओं में सुधार और चयनित जिलों में ऋण पहुँच सुनिश्चित करने पर केंद्रित होगी।

दलहन क्षेत्र में आत्मनिर्भरता मिशन 11,440 करोड़ रुपये के परिव्यय के साथ शुरू किया गया है। इसका उद्देश्य दलहन उत्पादकता में सुधार, दलहन खेती के रकबे का विस्तार, मूल्य श्रृंखला - खरीद, भंडारण, प्रसंस्करण - को मजबूत करना और नुकसान में कमी सुनिश्चित करना है। मिशन का लक्ष्य 2030-31 तक दालों का उत्पादन वर्तमान 252.38 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन करना है, जिससे आयात पर निर्भरता कम होगी।

सोने से ज्यादा चमक रही चांदी, इस शहर में कीमत पहुंची 180000 के पार; दिवाली से पहले मची खरीदने की लूट!

नई दिल्ली (एजेंसी)। सोनो के दाम आए दिन आसमान छू रहे हैं। लेकिन इस रेस में चांदी भी पीछे नहीं है। कई शहरों में चांदी की कीमत 1 लाख 80 हजार के पार जा चुकी है। दिवाली से पहले दोनों ही धातुओं की कीमत बुलेट ट्रेन की रफ्तार से भाग रही है। मध्यम वर्ग के परिवारों के लिए सोना और चांदी खरीदना मुश्किल होता जा रहा है। हालांकि, बढ़ती हुई कीमतें भी लोगों को सोना और चांदी खरीदने से रोक नहीं पा रही हैं। आज यानी 11 अक्टूबर को चांदी की कीमतों में 6 हजार रुपये महंगा हुआ है। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में चांदी की कीमत 1,84,100 रुपये के पार जा चुकी हैं। आइए प्रमुख शहरों के चांदी के दाम जानते हैं।

भारत की राजधानी दिल्ली में चांदी की कीमत 1,74,100 रुपये प्रति किलो में बिक रही है। इस समय भारत के चेन्नई में चांदी का भाव सबसे महंगा है। यहां चांदी 1,84,100 रुपये प्रति किलो बिक रही है। चांदी की कीमतें रोज नए-नए रिकॉर्ड बना रही हैं। भारत ही नहीं पूरी दुनिया में चांदी की डिमांड बढ़ गई है, जिसकी वजह से सिल्वर की शॉर्टेज भी देखी जा रही है। भारत के कई शहरों में चांदी की कमी होने की वजह से ज्वेलर ग्राहकों से ऑर्डर तक नहीं ले रहे हैं।

पिछले हफ्ते, भारत में प्रमुख चांदी श्रृंखला अपने आंतरिक मूल्य से काफी ऊपर कारोबार कर रहे हैं, जिसकी वजह तेज़ खुदरा माँग और भौतिक चांदी की बढ़ती कमी है।

बीरा 91 में बवाल? नाम बदलते ही डगमगाया कारोबार, आखिर क्यों बियर कंपनी के मालिक को हटाने की उठ रही मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। मशहूर क्राफ्ट बियर ब्रांड बिरा 91 बनाने वाली कंपनी बी9 बेवरेजेज इन दिनों गंभीर संकट से गुजर रही है। बीरा 91 बियर ब्रांड की मूल कंपनी के नाम में मामूली कानूनी बदलाव ने इसके लिए नियामक और परिचालन संबंधी कई बाधाएं खड़ी कर दी हैं।

कंपनी के 250 से अधिक कर्मचारियों ने बोर्ड, निवेशकों और कर्जदाताओं को पत्र लिखकर नेतृत्व में बदलाव की मांग की है। इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, कर्मचारियों ने कंपनी के फाउंडर और ष्टश्वह्र अंकुर जैन को मैनेजमेंट से हटाने की भी अपील की है।

नाम परिवर्तन से अराजकता फैली- समस्या तब शुरू हुई जब कंपनी ने 2023/24 में अपना कानूनी नाम क्क9 बेवरेजेज प्राइवेट लिमिटेड से बदलकर क्क9 बेवरेजेज लिमिटेड कर दिया, और उसमें से प्राइवेट शब्द हटा दिया। इस बदलाव के दूरगामी परिणाम हुए।

निवेशक डी मुथुकृष्णन ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि बीरा 91 पिछले दशक की सफल स्टार्ट-अप कहानियों में से एक थी। यह एक लोकप्रिय क्राफ्ट बियर ब्रांड है। वे बहुत अच्छी तरह से आगे बढ़ रहे थे। हकीकत आपकी कल्पना से भी ज़्यादा अजीब है। एक प्रक्रियागत चूक के कारण पूरी कंपनी डूब गई है, और अब फाउंडर को कंपनी के कर्मचारियों द्वारा कंपनी छोड़ने के लिए मजबूर किया जा रहा है।

उन्होंने आगे कहा इसके बाद तो बवाल मच गया। सभी राज्यों ने तुरंत बीरा 91 की बिक्री पर प्रतिबंध लगा दिया और नए नाम को एक अलग इकाई मान लिया।

कर्मचारियों की ओर से लिखे गए एक याचिका पत्र में आरोप लगाया गया है कि कंपनी में कॉर्पोरेट गवर्नेंस की भारी कमी, पारदर्शिता का अभाव और कर्मचारियों की सैलरी में लगातार देरी जैसे गंभीर मुद्दे हैं।

दिवाली से पहले आई गुड न्यूज, विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार में 5 दिन में किया 1751 करोड़ का निवेश

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिवाली से पहले भारतीय शेयर बाजार में रौनक लौटी है। इस सप्ताह विदेशी निवेशकों ने जमकर निवेश किया। नेशनल सिक्योरिटीज डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, कई हफ्तों की लगातार बिकवाली के बाद, विदेशी निवेशक इस हफ्ते भारतीय बाजारों में शुद्ध खरीदार बन गए और 6 अक्टूबर से 10 अक्टूबर के बीच 1,751 करोड़ रुपये का निवेश दर्ज किया। पिछले कुछ महीनों में लगातार बिकवाली के दबाव के बावजूद, घरेलू संस्थागत निवेशक मोटे तौर पर सहायक बने रहे, उन्होंने विदेशी बिकवाली को झेला और समग्र बाजार स्थिरता बनाए रखने में मदद की। रेलिगेयर ब्रोकिंग के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अजीत मिश्रा ने न्यूज एजेंसी ANI को बताया, 6-10 अक्टूबर के सप्ताह के दौरान, विदेशी संस्थागत निवेशकों ने नकदी बाजार में अपने कारोबारी व्यवहार में तेजी से बदलाव दिखाया।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

त्योहारी सीजन में मिलावटखोर एक्टिव, बाजार में नकली चांदी के सिक्कों का धंधा तेज, रहें सावधान

भिंड। त्योहारों के मौसम में जहां बाजारों में रौनक बढ़ती है, वहीं अब मिलावटखोर भी सक्रिय हो गए हैं। सर्राफा बाजार में इन दिनों मिलावटी और नकली चांदी के सिक्कों की खुलेआम बिक्री हो रही है। विशेषज्ञों का कहना है कि असली चांदी में जस्ता मिलाकर ऐसे सिक्के तैयार किए जा रहे हैं, जिन्हें सामान्य खरीदार पहचान नहीं पाते।

जांच के बगैर न करें खरीदारी-त्योहारों पर लोग धार्मिक कारणों से चांदी के सिक्के खरीदते हैं। लेकिन इस बार बाजार में ऐसे सिक्के बड़ी मात्रा में खपाए जा रहे हैं जिनमें 92.5 या 999 हॉलमार्क नहीं होता। विशेषज्ञों की मानें तो चांदी के सिक्के खरीदते समय सबसे पहले हॉलमार्क और फर्म की सील देखनी चाहिए। प्रमाणित दुकान से ही खरीदारी करें और हमेशा रसीद अवश्य लें, ताकि धोखाधड़ी की स्थिति में शिकायत की जा सके। अक्सर पुराने या

एंटीक सिक्कों के नाम पर मिलावटी धातु वाले सिक्के दिए जा रहे हैं। इससे बचने के लिए सिक्कों का बारकोड स्कैन करें और मार्का जांच अवश्य करें। सोना-चांदी के दामों में बेतहाशा बढ़ोतरी

अशोक धर्मकांटा के संचालक अशोक सोनी बताशा बाजार के अनुसार इस बार त्योहारी सीजन में सोने-चांदी के दामों ने आम खरीदारों की जेब पर भारी असर डाला है। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को चांदी का भाव ?1,65,000 प्रति किलो तक पहुंच गया। दो साल पहले तक जो सोने की लोंग 500 से 800 में मिल जाती थी, अब उसकी कीमत 2000 से ?2500 तक हो गई है। इसी तरह चांदी की पायलें, जो पहले 1500 से 2000 में मिल जाती थीं, अब 4000 से ?4500 तक बिक रही हैं।

त्योहार की चमक पर पड़ा असर-दामों में इस बढ़ोतरी और नकली चांदी की बढ़ती बिक्री से सर्राफा व्यापारी भी मायूस हैं। उनका कहना है कि दीपावली जैसे बड़े पर्व पर भी इस बार बाजार में वह रौनक नहीं दिख रही जो हर साल देखने को मिलती थी।

ग्राहकों से अपील-सतर्क रहें, प्रमाणित खरीदारी करें - विशेषज्ञों और सर्राफा व्यापारियों ने ग्राहकों से अपील की है कि वे लालच या जल्दबाजी में खरीदारी न करें। हमेशा प्रमाणित दुकानों से ही सोने-चांदी के सिक्के और जेवर खरीदें। हॉलमार्क, सील, रसीद और बारकोड जांचें, ताकि नकली या मिलावटी धातु से बचा जा सके।

जबलपुर में दीपावली डेकोरेशन के सामान से भरी तीन मंजिला दुकान और गोदाम जलकर खाक

जबलपुर। शनिवार को तड़के शहर के प्रमुख व्यावसायिक क्षेत्र गलगला मुकादमगंज में आग लगने की घटना से अफरा-तफरी मच गई। यहां एक तीन मंजिला दुकान और गोदाम में भीषण आग लग गई। दुकान और गोदाम में दीपावली के लिए सजावटी समान भरा था, जो आग में जलकर खाक हो गया। नगर निगम के सात दमकल वाहनों ने करीब 25 ट्रिप लगाकर किसी तरह आग पर काबू पा लिया। गनीमत ये रही कि आग तड़के लगी उस वक्त बाजार खाली था।

ग्राउंड फ्लोर से लगी आग ऊपर तक पहुंच गई-आग इतनी भीषण थी कि नीचे ग्राउंड फ्लोर में लगी आग देखते ही देखते ऊपर तीन मंजिल तक पहुंच गई। इस घटना में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई, लेकिन दुकान में रखा माल पूरी तरह जलकर खाक हो गया। दुकान परमल तेलनी की बताई जा रही है। तोड़ा दुकान का शटर

दमकल विभाग सहायक अधीक्षक राजेंद्र पटेल के मुताबिक सूचना मिलते ही टीम मौके पर पहुंची। सबसे पहले जेसीबी से शटर तोड़ा गया, फिर अंदर से आग बुझाना शुरू किया गया। आग बुझाने के लिए सात से अधिक फायर गाड़ियां लगाई गईं।

समय रहते आग पर काबू पा लिया गया, वरना आसपास की दुकानें और आवासीय मकान भी इसकी चपेट में आ सकते थे। फिलहाल आग पूरी तरह बुझा दी गई है, लेकिन धुआं निकलने के कारण राहत कार्य जारी है। पुलिस और फायर टीम आग लगने के कारणों की जांच कर रही है।

रेलवे बोर्ड ने की बड़ी घोषणा, ग्वालियर नैरोगेज म्यूजियम बनेगा पर्यटन आकर्षण

ग्वालियर। रेलवे बोर्ड की एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर हेरिटेज आशिमा मेहरोत्रा और डिप्टी डायरेक्टर हेरिटेज राजेश कुमार ने तानसेन रोड स्थित पुराने एरिया मैनेजर कार्यालय में बने नैरोगेज म्यूजियम का निरीक्षण किया।

पिछले दिनों केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने भी इस म्यूजियम का निरीक्षण कर इसे संवारने के निर्देश दिए थे, वहीं भाजपा नेता सुधीर गुप्ता ने भी रेलवे बोर्ड के चेयरमैन सतीश कुमार को ज्ञापन सौंपकर इस म्यूजियम को नागपुर नैरोगेज म्यूजियम की तर्ज पर विकसित करने की मांग की थी। इसके बाद गुरुवार को रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने इस म्यूजियम का निरीक्षण किया।

इस दौरान एक्जीक्यूटिव डायरेक्टर आशिमा मेहरोत्रा ने नैरोगेज हेरिटेज संग्रहालय के साथ ही लोको शेड का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि इस हेरिटेज बिल्डिंग को रेनोवेशन की जरूरत है।

इसके अलावा संग्रहालय के तौर पर विकसित करने की स्थिति में बिल्डिंग में वर्तमान में संचालित होने वाले एडीईएन, एडीईई तथा एसीएम आफिस को दूसरी जगह पर शिफ्ट किया जाएगा।

हेरिटेज बिल्डिंग के पास जीर्ण-शीर्ण क्वार्टर को हटाकर वहां म्यूजियम का विस्तार किया जा सकता है। पर्यटक स्थल की तरह यह विस्तार नागपुर नैरोगेज हेरिटेज म्यूजियम की तरह होगा इसमें बच्चों की टाय ट्रेन चलाने का भी विकल्प रखा जा सकता है। वहीं, सिंधिया स्टेट के हेरिटेज सैलून कोच, इंजन तथा नैरोगेज ट्रेन से संबंधित सभी उपकरण को यहां शोकेस किया जा सकता है। डिजिटल स्क्रीन और आडियो विजुअल के माध्यम से रेलवे हेरिटेज नैरोगेज ट्रेन का इतिहास दिखाने की भी संभावना है। संग्रहालय को ऐतिहासिक रूप देने के साथ ही यहां फोटो गैलरी और कैफेटेरिया का भी निर्माण किया जा सकता है। सिंधिया स्टेट के दौर में 1885 में निर्मित नैरोगेज म्यूजियम ऐतिहासिक महत्व रखता है।

इस अवसर पर प्रयागराज से मुख्य चल शक्ति अभियंता आरडी मौर्य, एडीआरएम नंदीश शुक्ला, सीडब्लूएम शिवाजी कदम, सीनियर डीएमई गौरव यादव, एडीईएन अजीत मिश्रा, स्टेशन डायरेक्टर वीके भारद्वाज एवं प्रयागराज तथा झांसी के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

नैरोगेज ट्रैक का भी किया निरीक्षण, बोर्ड को देंगे रिपोर्ट

वहीं रेलवे बोर्ड के अधिकारियों ने घोसीपुरा से लेकर मोतीझील तक नैरोगेज ट्रैक का भी निरीक्षण किया। लंबे समय से शहर में नैरोगेज हेरिटेज ट्रेन चलाने की मांग की जा रही है।

ऐसे में, रेलवे के अधिकारियों ने इसका भी गहनता से सर्वे किया। हालांकि अभी इस मामले में एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर बोर्ड को सौंपी जाएगी और अंतिम निर्णय वहीं से होगा।

खेती की जमीन पर काट दीं अवैध कॉलोनियां, 113 लोगों पर दर्ज होगी एफआईआर

भोपाल। भोपाल जिले में कॉलोनाइजरों द्वारा किसानों के साथ मिलकर खेती जमीन पर अवैध कॉलोनियां काटकर प्लाट बेचे जा रहे हैं। जब इन सभी कॉलोनाइजरों को चिह्नित कर नोटिस देते हुए अनुमतियों के दस्तावेज मांगे गए तो यह कलेक्टर न्यायालय में पेश नहीं कर सके। ऐसे में अब इन सभी अवैध कॉलोनियों को काटने वाले बिल्डर, किसान व अन्य सहित करीब 113 लोगों पर एफआईआर दर्ज की जाएगी। जिनके नाम नवदुनिया के पास मौजूद हैं।

इसको लेकर कलेक्टर न्यायालय द्वारा इनकी सूची बनाकर एसडीएम को थमा दी गई है और जल्द से जल्द इनके खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। इसके बाद भी यदि जमीनी स्तर पर एसडीएम, तहसीलदार द्वारा कार्रवाई नहीं की जाती है तो उनसे भी जवाब-तलब किया जाएगा। शहर के नगरीय क्षेत्र में प्रापर्टी के दामों में जमकर वृद्धि होने के बाद से अब लोग मकान, प्लाट, फार्म हाउस खरीदने के लिए शहरी क्षेत्र से लगी सीमा पर ग्रामीण क्षेत्रों में जमकर प्रापर्टी की खरीदारी कर रहे हैं। तहसील कार्यालय के चक्कर लगाने पड़ते हैं यही कारण है कि बड़े -बड़े बिल्डर यहां स्थित जमीनों के मालिक यानि किसानों के साथ

मिलकर बिना किसी अनुमति के अवैध कॉलोनिया काटकर प्लाट बेच रहे हैं। जिसमें किसी तरह की कोई अनुमति नहीं ली जाती है बस खरीदार को बदले में एक रजिस्ट्री थमा दी जाती है। जिसके बाद में बिजली, पानी, सड़क, सीवेज सहित अन्य मूलभूत सुविधाओं के लिए तहसील कार्यालय के चक्कर लगाना पड़ते हैं।

इन्हीं अवैध कॉलोनियों के खिलाफ हुजूर, कोलार तहसील, गोविंदपुरा वृत्त के एसडीएम और तहसीलदारों को कलेक्टर कौशलेंद्र विक्रम सिंह ने निर्देश दिए थे। कलेक्टर न्यायालय में अवैध कॉलोनी काटने के मामले में एसडीएम द्वारा चिह्नित कॉलोनाइजर, बिल्डर व किसानों को नोटिस जारी कर अनुमति संबंधी दस्तावेज पेश करने का समय दिया गया था।

कलेक्टर न्यायालय में वह डायवर्जन, भवन अनुज्ञा सहित अन्य कोई भी ऐसी अनुमति नहीं पेश कर पाए, जिससे यह साबित हो सके कि वह अवैध कॉलोनी नहीं काट रहे हैं। इसके बाद कलेक्टर ने सभी के खिलाफ एसडीएम को एफआईआर करवाने के निर्देश दिए हैं। कलेक्टर ने सूची कुछ दिनों पहले हुजूर, कोलार एसडीएम को भेज दी थी, लेकिन एफआईआर दर्ज नहीं करवा पा रहे हैं।

नगरीय सीमा से लगे इन क्षेत्रों में अवैध कॉलोनियां-जिले में नगरीय सीमा से लगे जिन क्षेत्रों में जमकर खेती की जमीन पर अवैध कॉलोनियां काटी जा रही हैं। इनमें सेवनिया ओंकारा, कोटरा, पिपलिया बेरखेड़ी, कुराना, थुआखेड़ा, कालापीन, सुरैया नगर, छावनी पठार, कुराना, कानासैया, खंडाबर, सिकंदराबाद, थुआखेड़ा, शोभापुर, कोलुआ खुर्द, अरेड़ी, नरेला वाज्याफ्त, इब्राहिमपुरा, जगदीशपुर, कलखेड़ा, हज्जामपुरा, अचारपुरा, बसई, परेवाखेड़ा, ईंटखेड़ी सड़क, अरवलिया, मुबारकपुर, बीनापुर, गोलखेड़ी, चौपड़ा कलां, हज्जाम सहित बसई शामिल हैं।

एसडीएम को दिए एफआईआर के निर्देश-जिले में बिना अनुमति के अवैध कॉलोनी विकसित कर प्लाट बेचने वालों की सूची तैयार कर ली है। उनके खिलाफ एफआईआर करने के निर्देश हुजूर, कोलार तहसील के एसडीएम को दिए गए हैं। यदि निर्देशों का पालन नहीं किया गया तो जवाब तलब किया जाएगा।

- कौशलेंद्र विक्रम सिंह, कलेक्टर

न्यायाधीशों, अधिवक्ताओं एवं विधि विद्यार्थियों के लिए दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

डिजिटल दुनिया में वाणिज्यिक और मध्यस्थता कानून में जटिलता और नवाचार का मार्गदर्शन पर इंदौर में आज से मंथन

इंदौर। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय और मध्यप्रदेश राज्य न्यायिक अकादमी द्वारा डेनिश पेटेंट एंड ट्रेडमार्क ऑफिस के सहयोग से, Involving Horizons: navigating complexity & innovating in commercial & arbitration Law in Digital World" (विकासशील क्षितिज- डिजिटल दुनिया में वाणिज्यिक और मध्यस्थता कानून की जटिलता और नवाचार) पर अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया है। ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर इन्दौर में आयोजित होने वाली दो दिवसीय संगोष्ठी में मध्यप्रदेश के न्यायाधीशों, नामित अधिवक्ताओं एवं विधि विद्यार्थियों के लिए आयोजित है। इस अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्देश्य वाणिज्यिक एवं मध्यस्थता कानून के बदलते डिजिटल परिदृश्य पर सार्थक विचार-विमर्श का एक वैश्विक मंच प्रदान करना है। इस संगोष्ठी का उद्देश्य डिजिटल परिवर्तन, डेटा आधारित अर्थव्यवस्था एवं अंतरराष्ट्रीय लेन-देन से उत्पन्न हो रही नई कानूनी चुनौतियों की समझ को सुदृढ़ करना है। इसका लक्ष्य तकनीकी नवाचार के अनुरूप विधिक ढँचे के सामंजस्य, संस्थागत क्षमता के सशक्तिकरण एवं भारत तथा यूरोपीय संघ सहित वैश्विक न्यायिक तंत्रों के मध्य सहयोग को प्रोत्साहित करना है। उद्घाटन सत्र शनिवार, 11 अक्टूबर 2025 को प्रातः 10ः00 बजे, इम्पीरियल हॉल, ब्रिलिएंट कन्वेंशन सेंटर, इन्दौर में किया जाएगा। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि के रूप में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं श्री न्यायमूर्ति जितेन्द्र कुमार माहेश्वरी, श्री न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह, श्री न्यायमूर्ति राजेश बिंदल तथा श्री न्यायमूर्ति अरविन्द कुमार, सर्वोच्च न्यायालय, भारत विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर श्री न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा, मुख्य न्यायाधीश मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय, श्री तुषार मेहता, भारत के सॉलिसिटर जनरल, सुश्री मारिया स्कू, डेप्युटी डायरेक्टर जनरल, डेनिश पेटेंट एंड ट्रेडमार्क ऑफिस, श्री एरलिंग वेस्टर्गार्ड, विशेषज्ञ सलाहकार, डेनिश पेटेंट एंड ट्रेडमार्क ऑफिस, श्री मत्तियास कार्लसन डिनेट्ज, सीनियर एडवाइजर इंटरनेशनल कोऑपरेशन एंड प्रोजेक्ट्स, डेनिश पेटेंट एंड ट्रेडमार्क ऑफिस, डॉ.क्रिश्चियन बर्गक्विस्ट, एसोसिएट प्रोफेसर, फैकल्टी ऑफ लॉ, यूनिवर्सिटी ऑफ कोपेनहेगन श्री पेटर पेत्रोव, जज, रीजनल कोर्ट ऑफ डिमिट्रोवग्राद, बुल्गारियाय एवं डॉ. लुइज बोइसन, आई. पी. काउंसलर, रॉयल डेनिश एम्बेसी उपस्थित रहेंगे। संगोष्ठी के अंतर्गत दो दिनों में छः तकनीकी सत्र आयोजित किए जाएंगे, जिनमें प्रौद्योगिकी और वाणिज्यिक कानून के विकसित होते आयाम, इंटरनेट मध्यस्थों की देयता एवं दायित्व, ऑनलाइन वाणिज्य में निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा, भारत एवं यूरोपीय संघ के दृष्टिकोण से मध्यस्थता कानून की रूपरेखा, ऑनलाइन अवैध गतिविधियों का आपराधिक प्रवर्तन, तथा बौद्धिक संपदा एवं नवाचार जैसे समकालीन विषयों पर विचार-विमर्श किया जाएगा। देश-विदेश के प्रतिष्ठित न्यायविद, विधि विशेषज्ञ एवं नीति सलाहकार इन विषयों पर अपने अनुभव एवं दृष्टिकोण साझा करेंगे। अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन सत्र रविवार, 12 अक्टूबर 2025 को होगा। इस कार्यक्रम का एक प्रेरणादायी और गरिमामय समापन होगा। इस सत्र में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश श्री न्यायमूर्ति संजीव सचदेवा की गरिमामयी उपस्थिति इस महत्वपूर्ण प्रयास की पूर्णता का प्रतीक होगी। सत्र में मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के न्यायाधीशगण तथा विशिष्ट अंतराष्ट्रीय प्रतिनिधिगण भी उपस्थित रहेंगे, जिससे इस कार्यक्रम को एक वैश्विक आयाम प्राप्त होगा।

यह अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी मध्यप्रदेश न्यायपालिका की प्रगतिशील और दूरदर्शी सोच का परिचायक है। एक ऐसा प्रयास जो न्यायिक उत्कृष्टता को संवर्धित करने, अंतराष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देने, और डिजिटल युग की जटिलताओं के बीच वाणिज्यिक एवं मध्यस्थता विधि में उन्नत समझ विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया है।

शहर में दो दिवसीय छ्ठ्सरयू मेला' आज से- शहरवासी पूर्वांचल की संस्कृति और स्वाद से होंगे रुबरु

इंदौर। शहर के पूर्वांचल समाज की संस्थाओं द्वारा आयोजित दो दिवसीय छ्ठ्सरयू मेला का भव्य आगाज छ्11 अक्टूबर से बापट चौराहा स्थित कम्युनिटी हॉल परिसर में होगा, जहाँ शहरवासी अपरान्ह 12 बजे से रात्रि 11 बजे तक, बिहार एवं उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध स्वादिष्ट व्यंजनों, संस्कृति एवं लोकसंगीत का आनंद लेंगे।

इस वर्ष के मेले में बिहार और उत्तर प्रदेश की समृद्ध संस्कृति का अद्भुत संगम देखने को मिलेगा। सांस्कृतिक संध्या में बिहार की सुप्रसिद्ध भोजपुरी गायिका हेमा पांडे और करीना पांडे अपने मधुर लोकगीतों और पारंपरिक धुनों के साथ कार्यक्रम की शोभा बढ़ाएंगी।

खास आकर्षण में पूर्वांचल के असली स्वाद को प्राथमिकता दी गई है। लिट्टी-चोखा, सत्तू पराठा, घुघनी, दलपुरी, खाजा, ठेकुआ सहित अनेक पारंपरिक व्यंजन और मिठाइयाँ मेले में उपस्थित लोगों का स्वागत करेंगी। इसके साथ ही हस्तशिल्प उत्पाद भी प्रदर्शित किए जाएंगे, जो पूर्वांचल की सांस्कृतिक धरोहर को जीवंत रूप में पेश करेंगे। पूर्वोत्तर सांस्कृतिक संस्थान, मध्य प्रदेश के प्रदेश अध्यक्ष ठाकुर जगदीश सिंह एवं महासचिव के. के. झा ने बताया कि यह पहला अवसर है।

मायावती को दीं गालियां, दलित लड़कियों का शोषण किया चंद्रशेखर रावण पर गंभीर आरोप

इंदौर। उत्तर प्रदेश की नगीना लोकसभा सीट से सांसद और भीम आर्मी के संस्थापक चंद्रशेखर आजाद पर इंदौर की पीएचडी स्कॉलर डॉ. रोहिणी घावरी ने उत्पीड़न, धोखेबाजी और कई दलित लड़कियों के शोषण जैसे गंभीर आरोप लगाए हैं। डॉ. रोहिणी का कहना है कि चंद्रशेखर ने शादी का झांसा देकर उनके साथ व्यक्तिगत संबंध बनाए और उन्हें धोखे में रखा। उन्होंने यह भी दावा किया है कि उनके पास चंद्रशेखर के खिलाफ वीडियो के रूप में पुख्ता सबूत हैं, जिसमें वे बहुजन समाज पार्टी (बसपा) और इसकी सुप्रीमो मायावती के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं।

अन्याय के खिलाफ है मेरी लड़ाई- डॉ. रोहिणी ने मीडिया से बातचीत में बताया कि वह जून से ही चंद्रशेखर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की कोशिश कर रही हैं। दिल्ली पुलिस द्वारा सुनवाई न किए जाने पर उन्होंने वकील की सलाह पर दिल्ली की एक अदालत में याचिका दायर की है। उन्होंने उन आरोपों को खारिज कर दिया, जिनमें कहा जा रहा है कि वह किसी राजनीतिक दल के इशारे पर यह सब कर रही हैं। रोहिणी ने कहा, मेरी लड़ाई किसी पार्टी के लिए नहीं, बल्कि अन्याय के खिलाफ है। अगर किसी को लगता है कि मैं किसी के कहने पर काम कर रही हूं, तो वे इसे सबूतों के साथ समाज के सामने साबित करें।

कई दलित लड़कियों के शोषण का आरोप- रोहिणी ने दावा किया कि चंद्रशेखर ने उनके अलावा भी कई दलित लड़कियों का शोषण किया है। उन्होंने कहा, मेरी कुछ ऐसी लड़कियों से बात हुई है, जिन्हें मेरी तरह ही शादी का झांसा देकर रिश्ते में रखा गया और बाद में छोड़ दिया गया। उन्होंने 2017 के एक मामले का भी जिक्र किया, जिसमें सहारनपुर की एक जाटव लड़की ने चंद्रशेखर के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई थी, लेकिन गरीब होने के कारण उसकी आवाज दबा दी गई।

शादी और निजी संबंधों पर बड़ा खुलासा- डॉ. घावरी ने चंद्रशेखर की शादी को लेकर भी चौंकाने वाले खुलासे किए। उन्होंने बताया कि चंद्रशेखर ने अपनी शादी की बात छिपाई थी और इसे एक %कॉन्ट्रैक्चुअल मैरिज% बताया था, जिससे वह जल्द छुटकारा पाना चाहते थे। रोहिणी के अनुसार, चंद्रशेखर की मां ने भी एक इंटरव्यू में कहा था कि उनके बेटे की शादी नहीं हुई है, जबकि चंद्रशेखर को एक बेटा भी है।

प्रेस्टीज के सालाना उत्सव मंथन 2025-26 के डेंगलर का हुआ भव्य लॉन्च

इंदौर। प्रेस्टीज इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड रिसर्च, इंदौर में आज वार्षिक सांस्कृतिक एवं शैक्षणिक उत्सव मंथन 2025-26 के डेंगलर लॉन्च समारोह का आयोजन अत्यंत हर्ष, उमंग और रचनात्मक ऊर्जा के साथ किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं गणेश वंदना से हुआ, जिसके बाद पूरे परिसर में उत्सव का माहौल छा गया। संस्थान के निदेशक कर्नल डॉ. एस. रमण अय्यर ने मंथन 2025-26 के डेंगलर का अनावरण किया। इस अवसर पर संस्थान के डीन डॉ. नितिन टांटेड, डायरेक्टर (एडमिशन) डॉ. राजीव रघुवंशी, फैकल्टी सदस्य, छात्र-छात्राएं एवं अतिथि उपस्थित रहे।

शासकीय मेले व प्रदर्शनी में दिव्यांगजन के लिए नि:शुल्क स्टॉल का होगा आवंटन

इंदौर। इंदौर जिले में अब दिव्यांगजन को शासकीय व अर्द्ध शासकीय मेलों व प्रदर्शनियों तथा जनहित में आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में निशुल्क स्टॉल आवंटन किया जाएगा। इस सम्बंध में सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग के संयुक्त संचालक ने आयुक्त नगर निगम, जिला पंचायत सीईओ, जिला शिक्षा अधिकारी सहित यशवंत क्लब, अभय प्रशाल व बास्केटबॉल एसोसिएशन के अलावा सभी शासकीय विभागों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया है। संयुक्त संचालक द्वारा वर्ष 2023 में कलेक्टर इंदौर के उस आदेश का उल्लेख किया है, जिसमें शासकीय व अर्द्ध शासकीय संस्थाओं की रिक्त भूमि, भवन सभागृह आदि समय-समय पर अस्थायी रूप से आयोजित मेले व प्रदर्शनियों में दिव्यांग कलाकारों व्यवसायियों एवं उद्यमियों को हुनर और व्यवसाय बढ़ाने के लिए स्टॉल निशुल्क प्रदाय करने के आदेश है।

इस बार ठंड की आमद समय पर,फरवरी तक रहेगा शीतऋतु का असर

इंदौर। ठंड ने असर दिखाना शुरू कर दिया है। रात का पारा लगातार गिर रहा है। पिछली बार नंवबर माह तक रात और दिन का पारा सामान्य से अधिक रहा था, लेकिन इस बार ठंड समय पर आई है और फरवरी यानी पांच माह तक शीत ऋतु का असर रहेगा। अभी से शहर में सुबह कोहरा भी छाने लगा है। अब इंदौर से मानसून के विदा होने की मौसम विभाग से भी घोषणा हो चुकी है। दिन में अभी थोड़ी गरमाहट है, लेकिन रात में अब घरों में पंखे, कूलरों की जरुरत नहीं पड़ रही है। शुक्रवार को शहर में अधिकतम तापमान 29 डिग्री रहा, जो सामान्य से तीन डिग्री कम था, जबकि रात का तापमान 15 डिग्री रहा, जो सामान्य से चार डिग्री कम रहा।

शनिवार सुबह आठ बजे तापमान 23 डिग्री रहा। मौसम साफ रहा और दिनभर धूप खिली रही। मौसम विभाग के अनुसार सप्ताह भर तक मौसम इसी तरह रहेगा। रात के पारे में उतार-चढ़ाव दर्ज हो सकते है, लेकिन दिन का तापमान 28 से 30 डिग्री के बीच रहेगा। आपको बता दे कि रात का तापमान अक्टूबर माह में सबसे कम 11 अक्टूबर को 15 डिग्री रहा। इससे पहले वर्ष 2007 में था। यह रिकार्ड आने वाले दिनों में और टूट सकता है। इस बार पहाड़ी इलाकों में भी बारिश अच्छी हुई है और अच्छी बर्फबारी होगी। उसके बाद शहर में बर्फिली हवाएं भी चलेंगी।

एक दिवसीय रोजगार मेला (युवा संगम कार्यक्रम) 13 अक्टूबर को

इंदौर। राज्य शासन के निर्देशानुसार इंदौर जिले के बेरोजगार युवाओं को निजी क्षेत्र की प्रतिष्ठित कंपनियों में रोजगार दिलाने के लिए कलेक्टर श्री शिवम वर्मा के मार्गदर्शन में नियमित रूप से रोजगार मेले आयोजित किए जा रहे हैं। इसी सिलसिले में आगामी 13 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे से एक दिवसीय रोजगार मेला (युवा संगम कार्यक्रम) का आयोजन किया गया है। यह मेला जिला रोजगार कार्यालय, औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान और जिला उद्योग केन्द्र इन्दौर के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित होगा। मेले का आयोजन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान नन्दा नगर इन्दौर में किया जा रहा है।

उप संचालक रोजगार श्री पी.एस. मंडलोई ने बताया कि इस मेले में जहां एक ओर युवाओं को प्रतिष्ठित क्षेत्र की निजी कम्पनियों में नौकरी दिलाई जाएगी, वहीं दूसरी ओर खुद का व्यवसाय स्थापित करने के इच्छुक युवाओं को लोन के लिए मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। रोजगार मेले में निजी क्षेत्र की कई प्रतिष्ठित कम्पनियां जैसे- Patrika, Medplus India, JJMD SkillTech Private limited, Just Dial, Aisect, INFINITY FABTECH PRIVATE LIMITED, Coderwing, रूपरंग स्टोर्स आदि के द्वारा 500 से अधिक रिक्त पदों की पूर्ति हेतु प्रारम्भिक रूप से चयन किया जायेगा।

जय श्री महाकाल ...

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

भारत ऐसा एकमात्र देश जहां बहुसंख्यकों का नरसंहार हुआ-विवेक अग्निहोत्री

उज्जैन। यंग थिंकर्स कन्फ्लुएंस 2025 के द्वितीय दिवस के प्रथम सत्र में सेंटर फॉर इंडिक स्टडीज़ के निर्देशक व लेखक डॉ. राम शर्मा ने कहा कि भारत में परिवार और समाज का संबंध भावनात्मक एवं मूल्य आधारित रहा है, जबकि पश्चिमी समाजों में यह उपभोक्तावादी दृष्टिकोण से प्रभावित हुआ है। संस्कृति ही परिवार व्यवस्था का मूल है, जिस पर आज मार्क्सवादी शक्तियां सतत रूप से प्रहार कर रही हैं। इसी सत्र में वरिष्ठ अधिवक्ता एम. आर. वेंकटेश ने कहा कि पश्चिमी समाजों में पारिवारिक विघटन एवं व्यक्तिगत स्वतंत्रता के चरम रूपों के कारण सामाजिक असंतुलन और अपराध दरों में वृद्धि देखी जा रही है। पारिवारिक विहीनता के कारण सामाजिक अपराध बढ़े हैं। जब परिवार कमजोर पड़ता है, तो समाज और राज्य दोनों प्रभावित होते हैं।

द्वितीय सत्र में प्रतिष्ठित लेखक एवं संपादक अनुराग शर्मा ने कहा

कि वर्तमान समय में बच्चों की परवरिश एवं शिक्षा पर बाहरी प्रभाव तेजी से बढ़ रहे हैं। मार्क्सवाद, वोकिज्म और अतिवादी नारीवाद पारिवारिक मूल्यों को चुनौती दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि शिक्षा, मनोरंजन और सोशल मीडिया के ज़रिए बच्चों के विचार बदले जा रहे हैं। माता-पिता को चाहिए कि वे बच्चों में भारतीय संस्कार, नैतिकता और पारिवारिक मूल्यों की जड़ें मज़बूत करें।

वहीं अमृतांशु पांडे ने बताया कि भारत का असली इतिहास हमारी परंपराओं और सांस्कृतिक चेतना में जीवित है, न कि केवल पुस्तकों में। उन्होंने बताया कि हमारे पुराण और ग्रंथ हमारी सभ्यता की निरंतरता का प्रमाण हैं। उनकी पुस्तक भारत की भूली कहानियों को उजागर करने का प्रयास है, जो हमारी सांस्कृतिक गहराई और मूल्यों से जुड़ी हैं।

इसके उपरांत चतुर्थ सत्र में प्रतिष्ठित लेखक अंकुर कक्कर ने कहा कि भारत हमेशा से ज्ञान और शिक्षा की भूमि रहा है। यहां की गुरुकुल परंपरा ने न केवल विद्या, बल्कि संस्कार भी सिखाए। उन्होंने बताया कि भारतीय संस्कृति और अंग्रेजी भाषा का संतुलन आज की शिक्षा व्यवस्था के लिए आवश्यक है। हमें अपनी जड़ों से जुड़े रहकर ही आधुनिक ज्ञान को सही दिशा देनी चाहिए।

ज्ञान की शक्ति से ही भारत ने की प्रगति

प्रसिद्ध फिल्म निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री ने कहा कि भारत की सभ्यता और संस्कृति ने सदियों की प्रताड़ना झेली है, फिर भी ज्ञान और संस्कृति की शक्ति से भारत आगे बढ़ा है। साथ ही उन्होंने कहा कि विश्व की समस्त सभ्यताओं में सदैव बहुसंख्यक समाज ने अल्पसंख्यक पर अत्याचार किए हैं किंतु भारत ऐसा एकमात्र देश है जिसमें अल्पसंख्यक समाज ने सदियों से बहुसंख्यक समाज पर अत्याचार व नरसंहार किए हैं। उन्होंने पिछले एक हज़ार वर्ष से हिंदू समाज पर हुए अत्याचारों का डॉक्यूमेंटेशन करने पर भी विशेष ज़ोर दिया।

कनफ्लुएंस में 26 राज्यों सहित पड़ोसी देशों से लगभग 400 चयनित प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। पुस्तक प्रेमियों हेतु पुस्तकों के स्टॉल्स एवं नरसंहार के दस्तावेजीकरण की प्रदर्शनी भी लगाई गई।

सैयदना साहब की मिलाद के अवसर पर गोल्डन एरा ऑफ दावत किताब का विमोचन

उज्जैन। दाऊदी बोहरा समाज के धर्मगुरु हिज़ होलीनेस डॉ सैयदना अलीकदर मुफद्दल सैफुद्दीन साहब (त.उ.श) की आज 12 अक्टूबर को मिलाद (जन्मदिवस) मुबारक है। खुज़ेमा चांदा भाई वाला ने बताया कि सैयदना साहब की मिलाद के अवसर पर सर्वधर्म के महानुभावों के हाथों ÷गोल्डन एरा ऑफ दावत ÷किताब का विमोचन किया गया। शुरुआत में बोहरा समाज के हाजी मुल्ला कुतुब फातेमी, उज्जैन सिख समाज से श्रीमती अलका सुरेन्द्रसिंह अरोरा, सनातन धर्म से पंडित महेश पुजारी, इस्कॉन मंदिर उज्जैन के प्रवक्ता राघव पंडित, इसाई धर्म से फादर एन्थोनी, मुस्लिम समाज से नवेद ख़ान, अखिल भारतीय आंजना समाज के उपाध्यक्ष विक्रमसिंह पटेल, फ्रीगंज गुरुद्वारा के अध्यक्ष चरणजीतसिंह कालरा, श्रीमती नाज़िमा कुतुब फातेमी एवं श्रीमती शिल्पा द्वारा ÷गोल्डन एरा ऑफ दावत किताब का विमोचन किया गया। सभी महानुभावों ने समाजजनों को सैयदना साहब की मिलाद की बधाई देते हुए किताब की सराहना की एवं सैयदना साहब की दिर्घायु होने की दुआ की। पुस्तक में पिछले 10 वर्षों में सैयदना साहब ने देश विदेश में मोहर्रम पर्व के अवसर पर प्रवचन (वाअज़) में बयान किये थे उनका चित्रों सहित उल्लेख हैं।

मध्यप्रदेश लेखक संघ की गीत गजल गोष्ठी आज

उज्जैन। मध्यप्रदेश लेखक संघ उज्जैन द्वारा गीत - गजल गोष्ठी का आयोजन प्रेस क्लब में आज रविवार 12 अक्तूबर सांय 5 बजे किया जा रहा है।

मध्यप्रदेश लेखक संघ के सचिव डॉ. हरीशकुमार सिंह ने बताया कि गीत - गजल गोष्ठी के सारस्वत अतिथि वरिष्ठ मालवी कवि एवं गीतकार डॉ. शिव चौरसिया होंगे। मुख्य अतिथि वरिष्ठ साहित्यकार डॉ. श्रीकृष्ण जोशी तथा विशिष्ठ अतिथि साहित्यकार डॉ. तुलसीदास परोहा होंगे। अध्यक्षता मध्यप्रदेश लेखक संघ, उज्जैन के अध्यक्ष प्रो. हरिमोहन बुधौलिया करेंगे।

व्यंग्य गोष्ठी के संयोजक डॉ. राजेश रावल सुशील ने बताया कि गीत गजल गोष्ठी में जिन प्रमुख गीतकार, गजलकार को आमंत्रित किया गया है।

उज्जैन शाखा में जीएसटी पर हुआ एक दिवसीय सेमिनार

उज्जैन। इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया (आईसीएआई) की उज्जैन शाखा द्वारा जीएसटी एवं अप्रत्यक्ष कर समिति के तत्वावधान में जीएसटी पर एक दिवसीय सीपीई सेमिनार÷ का सफल आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का विषय था हाल ही में किए गए जीएसटी संशोधनों का प्रभाव एवं जीएसटी अपीलीय अधिकरण की प्रक्रिया का अवलोकन÷। इस अवसर पर मुख्य वक्ता सीए देवेंद्र कटारिया कोटा एवं सीए कृष्ण गर्ग इंदौर रहे। दोनों वक्ताओं ने जीएसटी से संबंधित हालिया संशोधनों, उनके व्यावहारिक प्रभावों तथा अपीलीय अधिकरण की स्थापना एवं प्रक्रिया पर विस्तृत जानकारी दी।

कार्यक्रम की अध्यक्षता सीए आकृत जैन अध्यक्ष, उज्जैन शाखा ने की। उन्होंने कहा कि हाल ही में सरकार द्वारा जीएसटी में किए गए सुधारों के मद्देनज़र यह सेमिनार आयोजित किया गया है ताकि सदस्यों और उद्योग प्रतिनिधियों को नवीन संशोधनों की जानकारी समय पर मिल सके।÷ वक्ताओं का स्वागत सीए आशीष टोटला उपाध्यक्ष एवं सीए अनिश चौधरी सचिव ने किया। कार्यक्रम का संचालन सीए राघव ओझा एवं अभय नायर ने किया तथा सीए आतुष जैन सीपीई संयोजक ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर विभिन्न उद्योग संघों के प्रतिनिधि एवं व्यावसायिक समुदाय के सदस्य भी उपस्थित रहे, जिन्होंने सेमिनार को अत्यंत उपयोगी एवं ज्ञानवर्धक बताया।

यंग थिंकर्स कॉन्क्लेव के 7वें संस्करण का महाकाल नगरी उज्जैन में हुआ शुभारंभ

कर्तव्यनिष्ठ युवा हैं राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर के संवाहक– डॉ. मोहन यादव

उज्जैन। यंग थिंकर्स फोरम द्वारा आयोजित तीन दिवसीय यंग थिंकर्स कॉन्फ्लुएंस का शुभारंभ मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं विशिष्ट अतिथि विवेक रंजन अग्निहोत्री की उपस्थिति में सम्पन्न हुआ।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने अपने उद्बोधन में कहा कि युवाओं की ऊर्जा एवं रचनात्मकता, नवसृजन को जन्म देती है। देशभक्त एवं कर्तव्यनिष्ठ युवा, राष्ट्र की सांस्कृतिक धरोहर के संवाहक होते हैं, जो अपने पुरुषार्थ से राष्ट्र के स्वर्णिम भविष्य का निर्माण करते हैं। उन्होंने सम्राट विक्रमादित्य एवं राजा भोज के उदाहरण प्रस्तुत कर, भारत को विश्व में शीर्ष स्थान पर आरूढ़ करने हेतु युवाओं को प्रेरित किया।

%कश्मीर फाइल्स' के निर्देशक विवेक अग्निहोत्री ने व्यक्त किया कि देश में बॉलीवुड के माध्यम से देश को कई धड़ों में विभाजित करने का प्रयास किया गया। 1980 से 1990 के दशक में कश्मीर पर बनी फिल्मों में कश्मीरी पंडितों का कोई ज़िक्र नहीं करते हुए, उनके अस्तित्व को नकारने का प्रयास किया गया। कश्मीरी पंडितों के साथ हुए जघन्य नरसंहार की पीड़ा को शेष भारत तक नहीं पहुंचने दिया गया। फिल्मों के माध्यम से भारतीय इतिहास के वास्तविक तथ्यों को जनमानस के समक्ष प्रस्तुत करना नितांत आवश्यक है।

यंग थिंकर्स फोरम के निदेशक आशुतोष सिंह ठाकुर ने तीन दिवसीय कन्फ्लुएंस में आयोजित होने वाले विभिन्न सत्रों की जानकारी प्रदान की। साथ ही युवाओं को अध्ययन, चिंतन एवं संवाद करने के लिए प्रेरित किया और कहा कि रीडर्स, भविष्य के लीडर्स बनते हैं।

शुभारंभ सत्र में वायटीएफ के न्यासी सचिव दीपक शर्मा और अवंतिका विश्वविद्यालय के कुलगुरु नितिन राणे भी उपस्थित थे। कार्यक्रम के दौरान, अतिथियों के द्वारा कई विद्वान लेखकों की पुस्तकों का विमोचन भी किया गया।

कॉन्फ्लुएंस में 26 राज्यों से 300 चयनित डेलीगेट्स भाग ले रहे हैं। पुस्तक प्रेमियों हेतु पुस्तक मेला आकर्षण का केंद्र रहा। उद्घाटन सत्र के पश्चात, सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन हुआ। तदोपरांत श्री महाकालेश्वर दर्शन एवं महाकाल लोक भ्रमण का लाभ सभी डेलीगेट्स ने लिया।

गौरतलब है कि आयोजक संस्था यंग थिंकर्स फोरम की शुरुआत 2018 में राजधानी भोपाल से हुई। इसका उद्देश्य युवाओं के बीच वैचारिक संवाद स्थापित कर सही दिशा प्रदान करना है। यह समय-समय पर वायटीएफ वार्ता, पुस्तक चर्चा, हेरिटेज वॉक इत्यादि आयोजित करता है। यंग थिंकर्स कॉन्क्लेव की श्रृंखला में यह 7 वाँ संस्करण है।

15 अक्टूबर को होगी निबंध, सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

उज्जैन। भारत रत्न डॉ. एपीजे कलाम की जयंती पर निबंध प्रतियोगिता एवं अलीगढ़ यूनिवर्सिटी के संस्थापक सर सैयद अहमद की जयंती पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन होगा।

सर सैयद अहमद वेलफेयर सोसाइटी के अध्यक्ष पंकज जायसवाल एवं संरक्षक सैयद आबिद अली मीर ने बताया कि भारत रत्न देश के भूतपूर्व राष्ट्रपति मिसाइल मैन डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम की 94वीं जयंती पर संस्था द्वारा निबंध प्रतियोगिता का आयोजन 15 अक्टूबर को सेंट मदार कान्वेंट स्कूल मदार गेट में सुबह 10:30 बजे रखा गया है। संयोजक सैयद उस्मान हसन एवं संयुक्त सचिव डॉ शकील अंसारी ने बताया प्रतियोगिता में छात्र-छात्राएं हमारी विजय गाथा ऑपरेशन सिंदूर, शहर को स्वच्छ बनाने में हमारा योगदान, शिक्षा हमारे लिए तो जरूरी है, भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन, फिलिस्तीन स्वतंत्रता आंदोलन, अफ्रीकी स्वतंत्रता आंदोलन शीर्षक पर 200 शब्दों का निबंध लिखना अनिवार्य रहेगा। प्रतियोगिता में मिडिल क्लास के छात्र-छात्राएं शामिल हो सकते हैं। प्रतियोगिता में शामिल होने वाले अपने नाम 14 अक्टूबर तक संस्था कार्यालय पर रजिस्ट्रेशन करा सकते हैं। प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान के अलावा प्रतियोगिता में शामिल होने वाले सभी प्रतियोगियों को प्रोत्साहन पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। सचिव धर्मेंद्र राठौर, संयुक्त सचिव सादिक मंसूरी ने बताया अलीगढ़ यूनिवर्सिटी के संस्थापक महान समाज सुधारक सर सैयद अहमद की 208वीं जयंती पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन आईक्यू इंटरनेशनल स्कूल आगर नाके पर 17 अक्टूबर शुक्रवार सुबह 10 बजे आयोजित किया जाएगा। उपरोक्त जानकारी प्रचार सचिव चेतन ठक्कर एवं नासिर मंसूरी ने दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com